सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शनिवार, 14 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 299 पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यह महाकुम्भ बनेगा एकता का महायज्ञ: पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में महाकुम्भ से पहले 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज में 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पीएम ने बहुभाषिनी एआई चैटबॉट 'कुम्भ सहायक' का भी शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरा पर अगले साल महाकुम्भ का आयोजन देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान को नए शिखर पर स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया नगर बसाने का महा अभियान, प्रयागराज की इस धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वास और श्रद्धा के साथ कहता हूं कि अगर इस महाकुम्भ का वर्णन एक वाक्य में करना हो तो मैं कहूंगा यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। इससे पूर्व पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर महाकुम्भ से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान, पीएम ने महाकुम्भ 2025 पर आधारित एक लघु फिल्म का भी अवलोकन किया।

पीएम ने कहा कि हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका सहयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप, यह प्रयाग है। यह केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है, प्रयाग के बारे में कहा गया है कि माघ मकरगत रवि जब होई, तीरथ पतिहिं आव सब कोई...अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महर्षि, मनीषी प्रयाग में आ जाते हैं। यह वह स्थान है जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वह स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं ने की है। प्रयाग वह है जहां पग-पग पर पवित्र स्थान है, जहां पग पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। त्रिवेणीं माघवं सोमं भरद्वाजं च वासुकिम्, वंदेऽक्षयवटं शेषं प्रयागं तीर्थनायकम्...अर्थात त्रिवेणी का त्रिकाल प्रभाव, वेणी माधव की महिमा, सोमेश्वर के आशीर्वाद, ऋषि भारद्वाज की तपोभूमि, नागराज वासुकि का विशेष स्थान, अक्षय वट की अमरता और शेष की अशेष कृपा, यह है हमारा तीर्थराज प्रयाग। तीर्थराज प्रयाग यानी चारी पदारथ भरा भंडारू, पुण्य प्रदेश देश अतिचारू...अर्थात जहां धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारों पदार्थ सुलभ हैं, वह प्रयाग है।

संगम में स्नान से करोड़ तीर्थ के बराबर पुण्य मिल जाता है: पीएम मोदी

पीएम बोले कि महाकुम्भ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। संगम में स्नान से करोड़ तीर्थ के बराबर पुण्य मिल जाता है। जो व्यक्ति प्रयाग में स्नान करता है, वह हर पाप से मुक्त हो जाता है। राजा महाराजाओं का दौर हो या फिर सैकड़ो वर्षों की गुलामी का कालखंड, आस्था का यह प्रवाह कभी नहीं रुका। इसकी एक बड़ी वजह यह रही है की कुम्भ का कारक कोई बाहरी शक्ति नहीं है, किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुम्भ मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। यह चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। गांव, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज केवल एक भौगोलिक भूखंड नहीं है, यह एक आध्यात्मिक अनुभव क्षेत्र है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुम्भ जैसी सामूहिकता की शक्ति, समागम शायद ही कहीं और देखने को मिले। यहां आकर संत, महंत, ऋषि, मुनि, ज्ञानी, विद्वान, सामान्य मानवीय सब एक हो जाते हैं। सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, संप्रदायों का टकराव मिट जाता है, करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। इस बार भी महाकुम्भ के दौरान यहां अलग-अलग राज्यों से करोड़ों लोग जुटेंगे, उनकी भाषा अलग होगी, जातियां अलग होंगी, मान्यताएं अलग होंगी।

संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है: पीएम

पीएम ने कहा कि लेकिन संगम नगरी में आकर वह सब एक हो जाएंगे। इसीलिए कहता हूं कि यह महाकुम्भ एकता का महायज्ञ है, जिसमें हर तरह के भेदभाव की आहुति दी जाती है। यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पीएम मोदी ने कहा कि महाकुम्भ की परंपरा का सबसे अहम पहलू यह है कि इस दौरान देश को दिशा मिलती है। कुम्भ के दौरान संतो के वाद में, संवाद में, शास्त्रार्थ में, शास्त्रार्थ के अंदर देश के सामने मौजूद विषयों पर, देश के सामने मौजूद चुनौतियों पर व्यापक चर्चा होती है और फिर संत जन मिलकर राष्ट्र के विचारों को एक नई ऊर्जा देते हैं, नई राह भी दिखाते हैं। संत महात्माओं ने देश से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय कुम्भ जैसे आयोजन स्थल पर ही लिए हैं। जब संचार के आधुनिक माध्यम नहीं थे, तब कुम्भ जैसे आयोजनों ने बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार तैयार किया था। कुम्भ में संत और ज्ञानी लोग मिलकर समाज के सुख-दुख की चर्चा करते हैं, वर्तमान और भविष्य को लेकर चिंतन करते हैं। ऐसे आयोजनों से देश के कोने-कोने में समाज में सकारात्मक संदेश जाता है, राष्ट्र चिंतन की यह धारा निरंतर प्रवाहित होती है। इस आयोजन के नाम अलग-अलग होते हैं, पड़ाव अलग-अलग होते हैं, मार्ग अलग-अलग होते हैं, लेकिन यात्री एक होते हैं, मकसद एक होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि कुम्भ और धार्मिक यात्राओं का इतना महत्व होने के बावजूद पहले की सरकारों के समय इन पर ध्यान नहीं दिया गया। श्रद्धालु ऐसे आयोजनों में कष्ट उठाते रहे, लेकिन तब की सरकारों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

आज केंद्र और राज्य में भारतीय संस्कृति को मान देने वाली सरकार है: पीएम

भारतीय संस्कृति से भारत की आस्था से उनका लगाव नहीं था, लेकिन आज केंद्र और राज्य में भारत के प्रति आस्था, भारतीय संस्कृति को मान देने वाली सरकार है। इसलिए कुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं जुटाना डबल इंजन की सरकार अपना दायित्व समझती है। इसलिए यहां केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर हजारों करोड़ों की योजनाएं शुरू की हैं। सरकार के अलग-अलग विभाग जिस तरह महाकुम्भ की तैयारी में जुटे हैं, वह बहुत ही सराहनीय है। देश-दुनिया के किसी कोने से कुम्भ तक पहुंचने में कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए यहां की कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस किया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के साथ-साथ विरासत को भी समृद्ध बनाने पर फोकस किया है। आज देश के कई हिस्सों में अलग-अलग टूरिस्ट सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। रामायण सर्किट, श्री कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट... इनके माध्यम से हम देश के उन स्थानों को महत्व दे रहे हैं जिन पर पहले फोकस नहीं था। प्रदेश दर्शन योजना हो या प्रसाद योजना हो, इनके माध्यम से तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। अयोध्या के भव्य राम मंदिर ने पूरे शहर को कैसे भव्य बना दिया है, हम सब इसके साक्षी हैं। विश्वनाथ धाम, महाकाल महालो

क की चर्चा आज पूरे विश्व में है। यह अक्षय वट कॉरिडोर, हनुमान मंदिर कॉरिडोर, भारद्वाज ऋषि आश्रम भी इसी विजन का प्रतिबिंब है। श्रद्धालुओं के लिए सरस्वती कूप, पातालपुरी, नाग वासुकि मंदिर, द्वादश माधव मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

कप्तान ने पुलिस लाइन्स कौशाम्बी में परेड की सलामी ली गयी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । **पुलिस** अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा पुलिस लाइन्स कौशाम्बी में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का टोली बार निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का अवलोकन किया गया। पुलिस कर्मियों को फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई एवं ड्रिल कराई गयी तथा शस्त्राभ्यास कराया गया। गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत रिहर्सल परेड का टोलीवार निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा क्वार्टर गार्ड में गार्द की सलामी ली गयी एवं गार्द का निरीक्षण किया गया तथा परिवहन शाखा, शस्त्रागार, पुलिस कैंटीन, जिम, आटा चक्की, बैरिकों, डायल 112, डीसीआर, यातायात कार्यालय, मेंस, प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय तथा पुलिस लाइन्स परिसर का निरीक्षण कर सम्बन्धित को साफ सफाई हेतु निर्देशित किया गया तत्पश्चात पुलिस कर्मचारीगणों का अर्दली रूम किया गया एवं संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा साप्ताहिक परेड की ली सलामी

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी । शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। यू0पी0 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को मानकों के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता कर दिशा निर्देश दिये गये। तपश्चात पुलिस लाइन्स परिसर, मेस, बैरक, व्यायामशाला, सीपीसी कैण्टीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाईन्स हर्षित चौहान, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार आदि अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

टिकैतनगर पुलिस द्वारा 17 वारंटी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। **पुलिस** अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट समीर सिंह के पर्यवेक्षण में थाना टिकैतनगर पुलिस द्वारा शुक्रवार को विभिन्न मुकदमों से सम्बन्धित कुल 17 वारण्टियों को गिरफ्तार किया गया।

पीसीएस परीक्षा-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराया जाय- डीएम

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा-2024 की तैयारियों के सम्बन्ध में सेक्टर/स्टैटिक/जोनल मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकां के साथ बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। आयोग द्वारा प्रतिबन्धित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जायेंगी। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के निर्देश दियें।

सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जायेंगी। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के निर्देश दियें।

परीक्षा में कुल 1920 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव ने बताया कि लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस परीक्षा-2024 दिनांक 22 दिसम्बर 2024 को जनपद के 05 परीक्षा केन्द्रों यथा-नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी, श्री हुबलाल इंटर कॉलेज भरवारी, एस0ए0बी0 इंटर कॉलेज सैनी-सिराथू, कृषक इंटर कॉलेज हिनौता एवं करारी इंटर कॉलेज में आयोजित की जा रहीं है। परीक्षा में कुल 1920 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों प्रथम पाली-प्रातः 09:30 से 11:30 एवं द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह 02:30 बजे से सायं 04:30 बजे तक आयोजित की जायेंगी। परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए 05 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 05 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 01 जोनल मजिस्ट्रेट, 05-केन्द्र व्यवस्थापक एवं 10 सह केन्द्र व्यवस्थापक नियुक्त किये गये हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारीगण अरूण कुमार, प्रबुद्ध सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी रवीन्द्र प्रताप सिंह एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

एसपी ने नव निर्माण कार्य के लिए आवंटित जमीन का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल द्वारा पुलिस कार्यालय में नवनिर्माण कार्य के लिए आवांटित जमीन का निरीक्षण कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

लंबित विवेचनाओं का पुलिस अधीक्षक ने की समीक्षा

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल द्वारा पुलिस कार्यालय में अधिक समय से लंबित विवेचनाओं तथा पुरुस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बंध में विवेचकों का अर्दली रुम किया गया। सम्बंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

बढ़ापुर थाने में तैनात हल्का का इंचार्ज निलंबित

एसपी ने क्राइम कंट्रोल नहीं करने और गौकशो पर कार्रवाई नहीं करने पर की कार्रवाई

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! बढ़ापुर थाने में तैनात हल्का इंचार्ज ललित कुमार को एसपी अभिषेक ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। क्षेत्र में क्राइम कंट्रोल ना करने और गौकशो पर निगरानी नहीं करने के चलते कार्रवाई की गई है। साथ ही विभागीय जांच के भी आदेश दिए बिजनौर एसपी अभिषेक ने आज बढ़ापुर थाने में तैनात हल्का इंचार्ज उप निरीक्षक ललित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उप निरीक्षक ने थाना बढ़ापुर पर हल्का नं0 3 प्रभारी के पद पर तैनाती के दौरान क्षेत्र मे अपराध नियंत्रण करने पर प्रभावी गस्त न करने और गौकशी मे लिप्त अपराधियों की निगरानी नही करने के साथ ही क्षेत्र मे गौकशी की घटना हो जाने के बाद भी उप निरीक्षक ललित कुमार द्वारा कर्तव्यपालन में बरती गई। लापरवाही एवं उदासीनता के चलते क्षेत्राधिकारी, नजीबाबाद की प्रारम्भिक जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई कार्रवाई। एसपी अभिषेक ने बताया की जिले के समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगणों को निर्देशित किया गया है कि कोई भी पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों / दायित्वों के प्रति उदासीनता/शिथिलता न बरते अन्यथा सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी ।

डीएम ने स्वयं बैनामा विलेखों का स्थलीय निरीक्षण कर किया सत्यापन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। डीएम मधुसूदन हुल्गी द्वारा शुक्रवार जनपद के विभिन्न उपनिबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत होने वाले विक्रय विलेखों में सबसे बडे मूल्य के विक्रय विलेख में से तीन विक्रय विलेखों का सत्यापन सहायक महानिरीक्षक निबन्धन के साथ किया गया। जिसमें से विलेख संख्या-5992/2024 पंजीकृत दिनांक 10.10.2024 विक्रीत गाटा संख्या-927 व 928 में से विक्रीत रक्बा 93 वर्गमीटर व्यवसायिक भवन स्थित सम्पत्ति मौजा-कोर्रो (नगरीय), परगना कड़ा तहसील सिराथू जनपद कौशाम्बी में वर्णित सम्पत्ति का स्थलीय निरीक्षण किया गया। व्यवसायिक भवन का मूल्यांकन सही न पाये जाने के कारण सर्किल दर सूची के अनुसार विभागीय अधिकारियों से गणना कराने पर विलेख में स्टाम्प शुल्क एवं निबन्धन शुल्क के रूप में रू0-86250 का प्रथम दृष्टया राजस्व कमी पायी गयी। जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्टाम्प अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अधीन स्टाम्पवाद दर्ज कर कमी स्टाम्प शुल्क वसूली के लिए कार्यवाही प्रारम्भ करने के लिए सहायक आयुक्त स्टाम्प को दिर्यें।

बाराबंकी: अन्तर परिक्षेत्रीय गैंग (आई0आर0 गैंग) का कराया गया पंजीकरण

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। **ऐसा** गिरोह जिनके सदस्य एक से अधिक परिक्षेत्र के जनपदों के निवासी हों अथवा एक से अधिक परिक्षेत्र में लूट, डकैती, भाड़े की हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, जाली नोटों की तस्करी, चेन स्नैचिंग, वाहन चोरी, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब तस्करी, साइबर अपराध, अवैध शस्त्र निर्माण, मूर्ति चोरी व वन्य जीव तस्करी आदि अपराध कारित किये गये हों, उनके विरुद्ध पुलिस अधीक्षक की आख्या के आधार पर आई0आर0 गैंग का पंजीकरण परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक की संस्तुति पर जोनल अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा सूचीबद्ध किया जाता है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह की आख्या के आधार पर जनपद बाराबंकी के थाना रामसनेहीघाट से एक गैंग की क्रियाकलापों पर सूक्ष्म एवं पैनी दृष्टि रखने के उद्देश्य से अन्तर परिक्षेत्रीय गैंग (आई0आर0 गैंग) का पंजीकरण किया गया है-

आई0आर0 गैंग-17 (अन्तर परिक्षेत्रीय गैंग)

थाना रामसनेहीघाट से गैंग लीडर लालू यादव पुत्र विजय यादव निवासी मुरारपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी द्वारा अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर अयोध्या परिक्षेत्र के जनपद बाराबंकी के अतिरिक्त परिक्षेत्र के बाहर जनपद लखनऊ में भी वाहन चोरी जैसा गम्भीर अपराध कारित किये गये हैं, जिनके विरुद्ध अन्तर परिक्षेत्रीय गैंग-17 (आई0आर0 गैंग-17) का पंजीकरण किया गया है।

गैंग लीडर का नाम व पता

लालू यादव पुत्र विजय यादव निवासी मुरारपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी (जेल में)

सदस्यों का नाम व पता

1. नितिन यादव पुत्र विजय यादव निवासी मुरारपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी (जेल में)
2. मुलायम यादव पुत्र विजय यादव निवासी मुरारपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी (जेल में)

जुम्मे की नमाज को लेकर एएसपी व एडीएम करते रहे भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शुक्रवार को जुमा की नमाज के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा अपर जिलाधिकारी कौशाम्बी के साथ जनपद में भ्रमणशील रहकर ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देकर जुमे की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया।

विधायक के निरीक्षण में सीएचसी कड़ा धाम पास

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। **शुक्रवा**र को सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कड़ा धाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान विधायक पल्लवी पटेल ने अस्पताल के रख रखाव, डियूटी रजिस्टर, कर्मचारियों की उपस्थिति, अस्पताल की स्वच्छता, मरीजों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली।

विधायक पल्लवी पटेल ने अस्पताल की स्वच्छता रखरखाव ठीक-ठाक पाए जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ साऊद की जमकर प्रसंशा किया।

डीएम ने रैन बसेरा, जिला अस्पताल, बस डिपो, का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

सार्वजनिक स्थलों पर ठण्ड से बचाव के लिए अलाव सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखी जाय- मधुसूदन

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। **जि**लाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने ठण्ड के दृष्टिगत कल रात्रि रैन बसेरा मंझनपुर, जिला अस्पताल, बस डिपो मंझनपुर एवं रैन बसेरा करारी का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया।

रैन बसेरा मंझनपुर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नें साफ-सफाई, फर्नीचर एवं विस्तर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। वहॉ पर आगन्तुकों के लिए कमरे, बेड, बिस्तर एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था उपलब्ध थी। आगन्तुकों की देख-रेख के लिए स्टॉफ भी मौजूद था। रैन बसेरे में कुल 70 व्यक्ति मौजूद थे, जिनका नाम एवं मोबाइल नम्बर रजिस्टर में दर्ज था।

बस डिपो मंझनपुर के निरीक्षण के दौरान रात्रि में वहॉ पर कोई भी यात्री मौजूद नहीं था। अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित पायी गई।

जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड, महिला वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

उन्होंने चिकित्सक व अन्य स्टॉफ उपस्थिति रजिस्टर, डिलेवरी रजिस्टर को देखा। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता एवं मरीजों से बात-चीत कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने कहा कि डॉक्टर एवं अन्य स्टॉफ जिम्मेदारीपूर्वक अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हुए मरीजों का उचित उपचार करें, जिससे किसी भी मरीज को किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाये।

रैन बसेरा करारी के निरीक्षण के दौरान वहॉ पर कमरे, विस्तर, कम्बल, बेड एवं साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित पायी गई। अलाव जलता हुआ पाया गया। वहॉ पर कुल 04 आगन्तुक थे, जिनका नाम एवं मोबाइल नम्बर रजिस्टर में दर्ज था।

जिलाधिकारी ने ठण्ड को देखते हुए चौराहों एवं सभी सार्वजनिक स्थलों पर ठण्ड से बचाव के लिए अलाव जलाने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश सम्बन्धित को दियें।

उन्होंने कहा कि रैन बसेरों में गरीब, असहाय एवं मजबूर लोगों को रूकने के लिए गद्दे, कम्बल एवं स्वच्छ पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित रखी जाय, जिससे वहा पर आने वाले व्यक्तियों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर अलाव के लिए लकड़ी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें।

प्रधानमंत्री ने श्रृंग्वेपुर धाम निषाद राज उधान का वर्चुअल तरीके से किया लोकार्पण

निषाद पार्टी के लोगो को कार्यक्रम स्थल पर जाने से रोक, पुलिस ने की धक्का मुक्की, नवाबगंज पुलिस द्वार निषाद पार्टी की महिलाओं से बर्बरता धक्का मुक्की करने पर निषादो में रहा आक्रोश, कुर्शी की व्यवस्था न होने की वजह से निषाद राज उद्यान के गेट पर निषाद पार्टी के लोगो को रोका

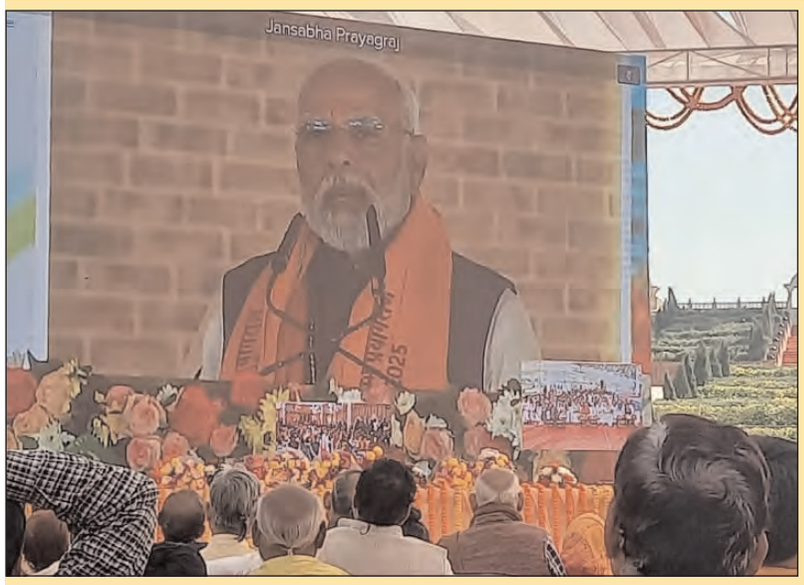

धीरज सोनी
सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्रृंग्वेरपुर धाम निषाद राज उधान का वर्चुअल लोकार्पण किया । उधान के अंतर्गत 135 करोड़ रुपये की लागत से गंगा घाट, निषादराज पार्क तथा भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा का निर्माण कराया गया है। श्रृंग्वेरपुर धाम प्रधानमंत्री द्वारा निषाद राज उद्यान के वर्चुअल उद्घाटन कर दिए मगर मूर्ति पर एक भी माल नहीं चढ़ाया गया इससे पूर्व निषाद राज उद्यान पार्क व शांता देवी सिंगी ऋषि मंदिर फूल मालाओं से सजाया गया था राम के रूप में बैठे बालक श्रीश बाहुबली का पूर्व सांसद बाबूराम निषाद ज्योति निषाद प्रवीण निषाद अमित निषाद आदि लोगों ने राम के रूप बैठे बालक को फूल माला चढ़ाया

श्रृंग्वेरपुर धाम।निषाद राज उद्यान पार्क का लोकार्पण प्रधानमंत्री ने किया और निषाद राज पार्क को देखने और प्रधानमंत्री की बातों को सुनने के लिए जौनपुर जालौन बनारस मिजापुर आदि जगह से आए लोगो को गेट के बाहर ही उनको खड़ा कराया गया अंदर आने का परमिशन नहीं मिला कार्यक्रम में बैठने की 200 कुर्सियों का इंतजाम किया गया था एडीएम विनय कुमार सिंह आई एस अभिनव सिंह बीडीओ लीलाधर शुक्ला तहसीलदार राजेश कुमार पाल आदि लोग रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ने दीप प्रज्वलित कर- के कार्यक्रम का शुभारंभ किया पूर्व सांसद बाबू राम निषाद ज्योति निषाद प्रवीण निषाद पूर्व सांसद डॉक्टर अमित निषाद कमलनयन दास राघव दास नारायणाचार्य शांडिल्य जी महाराज उमेश सियाराम सरोज , तिवारी मुन्ना सोनी संजय तिवारी उमेश द्विवेदी ,अरुण द्विवेदी ,बलराम सिंह सिया राम सरोज काली सहाय त्रिपाठी निर्मल बाबा आदि लोग मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे । कुंभ मेला प्राधिकरण द्वारा इवेंट कंपनी प्रधानमंत्री का वर्चुअल लोकार्पण की तस्वीर यहां पर एलईडी स्क्रीन पर दिखा गया और संगम व श्रग्वेरपुरधाम एक साथ तस्वीर यहां के लोग देख सके कैबिनेट मंत्री संजय निषाद 4:00 बजे अपने दलबल के साथ प्रयागराज से श्रग्वेरपुर निषाद राज पार्क पहुंचे निषाद राज पार्क का परिक्रमा कर फूलमाला चढ़ाया निषाद राज पार्क के गेट के बाहर निषाद पार्टी के लोगो को अंदर नही जाने दिया गया जिसे नाराज निषाद पार्टी के लोग नारेबाजी करने लगे पीएम के कार्यक्रम के समापन के बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया

पीएम ने वर्चुअल संबोधन के दौरान महाकुंभ की महता को बताते हु कहा की महाकुंभ से सामाजिक मजबूती तो मिलेगी ही, साथ ही लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण भी होगा।गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानवी सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। कार्यक्रम मे पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन,सांसद बाबूलाल निषाद , प्रवीण निषाद , मुन्ना सोनी , अमित निषाद एडीएम विनय सिंह ,तथा भारी संख्या मे लोगो की भीड़ मौजूद रही ।

हमारा देश पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश , पीएम

पीएम मोदी ने कहा, हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं।

पीएम संत-महात्माओं से मिले, लिया आशीर्वाद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज महाकुम्भ नगर (प्रयागराज) में संगम पर पूजन के बाद मिले आशीर्वाद लिया। उन्होंने संत, महात्माओं से हाथ जोड़कर प्रणाम करते हुए भव्य, दिव्य महाकुंभ में आप सभी का सहयोग कर रहेगा तो महाकुंभ का आयोजन और भव्य, दिव्य होगा। सभी संतों ने एक स्वर में पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव आश्रम, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवीन्द्र पुरी, अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़ा के संरक्षक महंत हरि गिरि महाराज, निमोही अखाड़ा के महंत राजेंद्र दास, आचार्य बाड़ा से स्वामी अच्युतप्रपन्नाचार्य महराज, स्वामी रामेश्वराचार्य महराज, महामंडलेश्वर स्वामी हिटलर महराज, महामंडलेश्वर स्वामी संतोष दास महराज सहित अन्य संत थे। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सनातन धर्म और संत, महात्माओं के प्रति उनकी आस्था और श्रद्धा अटूट रहती है इसलिए महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन होने से पूर्व तीर्थराज प्रयाग का पूजन के लिए एवं संतों से आशीर्वाद लेकर के विश्व में इस आयोजन की एक अलग पहचान बनाने के लिए आश्वस्त किया। उधर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रृंगवेरपुर धाम में भगवान श्रीराम और निषादराज की प्रतिमा का लोकार्पण समारोह आनलाइन किया। श्रृंगवेरपुर धाम के जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महराज ने बताया कि प्रधानमंत्री की सनातन धर्म, संतों के प्रति अटूट स्नेह और श्रद्धा है इससे महाकुंभ को और ऊंचाई मिल रही है।

बड़े हनुमान जी के श्रीचरणों में नतमस्तक हुए पीएम

पीएम ने भक्ति की शक्ति का किया आह्वान, पीएम मोदी ने बड़े हनुमान मंदिर में किया विधिवत पूजन-अर्चन, ज्ञान-भक्ति, शक्ति व सर्व सिद्धि प्रदाता प्रभु हनुमान के समक्ष झुकाया शीश

महाकुम्भनगर। उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए बतौर प्रमुख यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज स्थित बड़े हनुमान मंदिर में जाकर प्रभु हनुमान के श्रीविग्रह के आगे शीश झुकाकर विधिवत पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान-भक्ति, शक्ति व सर्व सिद्धि प्रदाता चिरंजीवी प्रभु हनुमान के समक्ष महाकुम्भ-2025 को सफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जलाचमन, सिंदूर-लाल चंदन, नैवेद्य व माला अर्पण कर सनातन शक्ति के जागरण का आह्वान किया। उन्होंने धूप-दीप अर्पण के साथ ही रुद्राक्ष की माला भी प्रभु बड़े हनुमान के श्रीचरणों में अर्पित की। यह सर्व विदित है कि प्रत्येक वर्ष प्रभु हनुमान के इस चमत्कारी विग्रह का स्वयं मां गंगा स्नान करती हैं। ऐसे में, महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भक्ति की शक्ति को जागृत करने का कार्य तीर्थराज प्रयागराज में पूजन-अर्चन के जरिए किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े हनुमान मंदिर में सनातन संस्कृति के प्राण प्रभु श्रीराम की शाश्वत भक्ति के प्रतिमान हनुमान के समक्ष प्रार्थना की। अगाध आस्था के अमृतकाल में सनातन शक्ति के जागरण, सनातन मूल्यों की स्थापना व सकल विश्व में सनातन हितों की रक्षा के उद्देश्य को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रार्थना की। बड़े हनुमान मंदिर में प्रभु हनुमान के श्रीचरणों में बैठकर बतौर प्रमुख अर्चक प्रधानमंत्री मोदी ने विधिवत तरीके से पूजन-अराधना पूर्ण की। इस दौरान बड़े हनुमान मंदिर के महंत तथा श्रीमठ बाघंबरी पीठाधीश्वर बलबीर गिरि जी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी की अराधना प्रक्रिया को पूर्ण कराया। इस दौरान उन्होंने बड़े हनुमान को यज्ञोपवीत भी अर्पित किया और आरती उतारी।

मंदिर की ओर से मोदी को प्रभु हनुमान के आशीर्वाद स्वरूप रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र प्रदान किया गया।

बड़े हनुमान मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा कई मायनों में विशिष्ट है। इस मूर्ति के दाहिने हाथ में गदा है। इससे काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य आदि विकारों को नष्ट करने का भाव लिया जाता है। मूर्ति के बाएं कंधे पर राम-लक्ष्मण हैं, जिससे हृदय में उनकी दृढ़ धारणा का भाव लिया जाता है। मूर्ति के दोनों नेत्र विशेष रूप से खुले हुए हैं जो जागृत होने और अधोगामी विचारों व प्रवृत्तियों से दूर रहने के भाव को प्रदर्शित करते हैं। दाएं पैर के पास उनके पुत्र मकरध्वज की मूर्ति है, जिन्हें अधोपाताल लोक का रक्षक बताया गया है।

अक्षय वट पर शीश नवाकर पीएम ने मांगा जनकल्याण का वरदान

अक्षय वट पर पूजन-अर्चन के साथ ही पीएम मोदी ने की परिक्रमा, कॉरिडोर को लेकर हुए कार्यों को भी निहारा

तीर्थराज प्रयाग में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए यजमान बने पीएम मोदी ने अक्षय वट के समक्ष सभी तीर्थों का किया आह्वान

महाकुम्भ नगर। उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन, वैश्विक कल्याण, विश्व शांति, भारत के अरुणोदय व तीर्थराज प्रयागराज आकर पुण्य की डुबकी लगाने वाले करोड़ों भक्तों, सनातन शक्तियों के सामर्थ्य व अक्षय पुण्य की वृद्धि के उद्देश्य से पीएम मोदी ने शुक्रवार को अक्षयवट का दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। संगम नोज पर यजमान की भूमिका में संगम अभिषेक करने के उपरांत उन्होंने अक्षय वट के दर्शन किए। अक्षय वट पर भी महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजन के लिए बतौर यजमान भूमिका निभाते हुए पीएम मोदी ने अक्षय वट पर शीश नवाया, संकल्प लेकर अभिषेक किया और समस्त तीर्थों का आवाहन करते हुए सकल मंगलकामनाओं की पूर्ति के लिए आस्था का दीप जलाया। इसके उपरांत उन्होंने अक्षय वट की प्रदक्षिणा की और समस्त विश्व के कल्याण की कामना की। पीएम मोदी ने न केवल इस परम पावन तीर्थ पर पूजा-अर्चना की, बल्कि कॉरीडोर को लेकर हुए कार्यों का आवलोकन भी किया। उन्होंने विशेषतौर पर महाकुम्भ के अवसर पर यहां दर्शन करने आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने को लेकर हुए प्रयासों की जानकारी ली और समस्त प्रक्रियाओं की विवेचना की।

अक्षय वट को तीर्थराज प्रयागराज के रक्षक श्रीहरि विष्णु के वेणी माधव का साक्षात स्वरूप माना जाता है। अक्षय वट को कॉरीडोर रूप में महाकुम्भ - 2025 के पूर्व सुव्यवस्थित करने का कार्य पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वयन में किया गया है। ऐसे में, शुक्रवार को पीएम मोदी ने अक्षय वट का पूजन-अर्चन करने के साथ ही भारत के अक्षय पुण्य की वृद्धि और विश्वगुरू के तौर पर उद्भव को अक्षुण्ण बनाने की कामना की।

अक्षय वट को लेकर ऐसी मान्यता है कि इसकी जड़ों में सृष्टि निमार्ता ब्रह्मा, मध्य भाग में वेणी माधव स्वरूप श्रीहरि विष्णु तथा अग्र भाग में महादेव शिव-शंकर का वास है। इनकी पूजा के साथ ही समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों में कल्पवृक्ष के अंश के रूप में भी अक्षय वट की मान्यता है। पुराणों में प्राप्त उल्लेख के अनुसार, सर्व सिद्धि प्रदान करने वाली आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र के तौर पर प्रसिद्ध अक्षय वट ने मुगल काल व अंग्रेजों के शासन में पराभव का दंश झेला, मगर इसके बावजूद वह अक्षुण्ण बना रहा और आज सनातन धर्म के ध्वजवाहक के तौर पर सकल विश्व में अपनी पहचान को पुख्ता कर रहा है। अक्षय वट के बारे में यह भी प्रसिद्ध है कि प्रभु श्रीराम लंका विजय के उपरांत अयोध्या लौटने से पूर्व पुष्पक विमान से आते हुए अक्षय वट के दर्शन किए थे।

उनके साथ माता सीता और भ्राता लक्ष्मण भी थे और अक्षय वट पर इन तीनों के ही विग्रह का पूजन होता है। पीएम मोदी के साथ ही अक्षय वट पूजन-अर्चन प्रक्रिया में सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित रहीं।

संपादक की कलम से

महिला सशक्तीकरण से विकास के नये आयामों को छू रहा है इंडिया

प्राचीन काल से ही महिलाओं का स्थान भारत में बहुत ही महत्वपूर्ण व अहम रहा है। महिला को ही सृष्टि रचना का मूल आधार कहा गया है। महिलाएं, हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण और आवश्यक अंग है, क्योंकि विश्व की आधी जनसंख्या तकरीबन महिलाओं की ही है। डॉ. अंबेडकर ने एक बार यह बात कही थी कि यदि किसी समाज की प्रगति के बारे में सही-सही जानना है तो उस समाज की स्त्रियों की स्थिति के बारे में जानो। कोई समाज कितना मजबूत हो सकता है, इसका अंदाजा इस बात से इसलिए लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियाँ किसी भी समाज की आधी आबादी हैं। बिना इन्हें साथ लिए कोई भी समाज अपनी संपूर्णता में बेहतर नहीं कर सकता है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय समाज में आज महिलाओं को लगातार सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं, क्यों कि यह बात हम सभी जानते हैं कि जब भारत की नारी सशक्त होगी तभी परिवार सशक्त होगा, परिवार के बाद समाज और समाज के बाद देश सशक्त होगा। इस संबंध में हाल ही में(11 दिसंबर को) हरियाणा के पानीपत के कम्युनिटी सेंट्रल हाल में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीमा सखी योजना का आगाज किया है। उल्लेखनीय है कि एलआईसी बीमा सखी योजना 18 से 70 साल की महिलाओं(दसवीं पास) के लिए है। इसमें महिलाओं को पहले तीन साल की ट्रेनिंग दी जाएगी और इस ट्रेनिंग पीरियड के दौरान महिलाओं को कुछ पैसे(दो लाख रुपए से अधिक) भी मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि इसमें पहले साल 7 हजार, दूसरे साल 6 हजार और तीसरे साल 5 हजार रुपये महीना मिलेंगे। इसमें बोनस कमीशन शामिल नहीं है। इसके लिए शर्त रहेगी कि महिलाएं जो भी पॉलिसी बेचेंगी, उनमें से 65 फीसदी अगले साल के आखिर तक सक्रिय (इन-फोर्स) रहनी चाहिए। इस योजना के तहत दसवीं पास महिलाएं पहले साल हर महीने कम से कम दो और साल में 24 पालिसी बेचेंगी। उन्हें बोनस के अलावा कमिशन के तौर पर 48 हजार रुपये वार्षिक मिलेंगे यानी एक पालिसी के लिए 4 हजार रुपये। सबसे अच्छी बात यह है कि ट्रेनिंग के बाद महिलाएं एलआईसी बीमा एजेंट के रूप में काम कर सकेंगी। इतना ही नहीं इस योजना के तहत, बीए पास बीमा सखियों को विकास अधिकारी यानी डेवलेपमेंट ऑफिसर बनने का मौका भी मिल सकता है। वास्तव में, इस योजना के तहत महिलाएं अपने इलाके की महिलाओं को बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। इस योजना का मुख्य और अहम् मकसद देश की महिलाओं को आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि महाराष्ट्र में ह्यमुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजनाह्न 1 जुलाई 2024 से चल रही है। इसके तहत पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे है। इधर मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना के बारे में कौन नहीं जानता। कहना गलत नहीं होगा कि इस योजना के वृहद स्वरूप ने प्रदेश की महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण में महती भूमिका निभाई है। इस योजना से न केवल महिलाओं ने अपनी छोटी-छोटी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा किया है बल्कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये महिलाएं बैंकिंग प्रणाली से सीधे परिचित हुई हैं। इससे परिवार के निर्णयों में भी उनकी भूमिका बड़ी है और सामाजिक रूप से महिलाओं के सम्मान में वृद्धि हुई है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि देश में ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न अभियान की शुरूआत भी वर्ष 22 जनवरी 2015 में हरियाणा के पानीपत से ही हुई थी। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के चार स्तम्भ (गरीब , युवा, किसान और महिला) मानते हैं, और महिला सशक्तिकरण उनमें से एक है। आज देश में नारी समानता पर लगातार काम हो रहा है और देश की महिलाएं लगातार सशक्त हो रहीं हैं। आज राजनीति में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने के मकसद से ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्न लाया गया है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हरियाणा में पांच लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य दिया है। एक अन्य अभियान नमो ड्रोन दीदी का है, जिसमें स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन पायलटों का मुफ्त प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज महिला शिक्षा, महिला रोजगार पर लगातार जोर दिया जा रहा है। महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना है।इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर गृहणियों को रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इतना ही नहीं महिला सशक्तीकरण की दिशा में ही देश में 10 अक्टूबर 2019 से सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना भी चलाई जा रही है जिसके तहत 100 फीसदी तक अस्पतालों या प्रशिक्षित नर्सों की निगरानी में महिलाओं के प्रसव को किया जाता है. ताकि प्रसव के दौरान मां और उसके बच्चे के स्वास्थ्य की उचित देखभाल की जा सके। सुकन्या समृद्धि योजना, फ्री सिलाई मशीन योजना और महिला शक्ति केंद्र योजना अन्य योजनाएं हैं जो लगातार महिलाओं को आर्थिक रूप आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। सच तो यह कि आज भारत महिला सशक्तीकरण से विकास के नये आयामों को छू रहा है।

आपकी उम्र को तेजी से बढ़ा सकते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड : शोध

किसी व्यक्ति की बायोलॉजिकल उम्र उसके स्वास्थ्य को मापने का एक अपेक्षाकृत नया तरीका है। यह विभिन्न मोलेक्युलर बायोमार्कर के आधार पर बताता है कि व्यक्ति कितना बूढ़ा लगता है। ऑस्ट्रेलिया में मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली वाले व्यक्ति की बायोलॉजिकल उम्र उनकी क्रोनोलॉजिकल एज से कम हो सकती है, जबकि खराब जीवनशैली विकल्प आपको जल?द ही बूढ़ा कर सकते हैं। एज एंड एजिंग नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में अमेरिका के 20-79 वर्ष की आयु के 16,055 प्रतिभागियों को शामिल किया गया और दिखाया गया कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खपत में हर 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए, बायोलॉजिकल और क्रोनोलॉजिकल आयु के बीच का अंतर लगभग 2.4 महीने बढ़ गया। शोध में पाया गया कि जो लोग अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (यूपीएफ) का सबसे अधिक सेवन करते हैं, वे बायोलॉजिकल रूप से लगभग 1 वर्ष बड़े हैं और जो इसका कम सेवन करते हैं वह बायोलॉजिकल रूप से लगभग 1 वर्ष छोटे दिखाई देते हैं।

विश्वविद्यालय के पोषण आहार विज्ञान और खाद्य विभाग की वरिष्ठ व्याख्याता एवं पोषण जैव रसायनज्ञ डॉ. बारबरा काडोसी ने कहा कि निष्कर्षों ने जितना संभव हो सके, अनप्रोसेस्ड और मिनिमली प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को खाने के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा, ह्यहमारे निष्कर्षों का महत्व बहुत अधिक है, क्योंकि हमारे पूवार्नुमानों से पता चलता है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के सेवन से कुल ऊर्जा सेवन में हर 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए मृत्यु दर में लगभग 2 प्रतिशत की वृद्धि और दो वर्षों में पुरानी बीमारी का 0.5 प्रतिशत जोखिम है।ह्न

यूपीएफ औद्योगिक रूप से तैयार किए गए उत्पाद हैं जिनमें आमतौर पर घर की रसोई में इस्तेमाल नहीं होने वाले तत्व होते हैं, जैसे हाइड्रोजनीकृत तेल, हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप,, स्वाद बढ़ाने वाले पदार्थ और इमल्सीफायर। इन खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी, वसा और अन्य अस्वास्थ्यकर तत्व अधिक होते हैं और इन्हें सुविधा और लंबे समय तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है।

विवादास्पद हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देने का मामला

- कल्याणी शंकर

राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है। दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है।

पिछले सप्ताह, अमेरिका और दुनिया भर के लोग इस खबर से स्तब्ध थे कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन को क्षमादान दे दिया है। यह क्षमादान विवाद महत्वपूर्ण था। क्षमादान यह सुनिश्चित करता है कि हंटर को उसके कथित अपराधों के लिए सजा नहीं दी जायेगी और वह जेल नहीं जायेगा। उसके मामलों को संभालने वाले न्यायाधीश संभवतः बंदूक मामले के लिए 12 दिसंबर और कर मामले के लिए 16 दिसंबर को निर्धारित सजा सुनवाई को रद्द कर देंगे। बाइडेन अब राष्ट्रपति कार्यालय के लिए राजनीतिक दौड़ में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने गत जून में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से पहले अपने बेटे को क्षमा न करने की प्रतिज्ञा की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान ने अक्सर विवाद को जन्म दिया है। हालांकि, कुछ निर्णय- जैसे कि राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देना- दूसरों की तुलना में अधिक आलोचना का कारण बने।

संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति क्षमादान दे सकते हैं, एक ऐसी

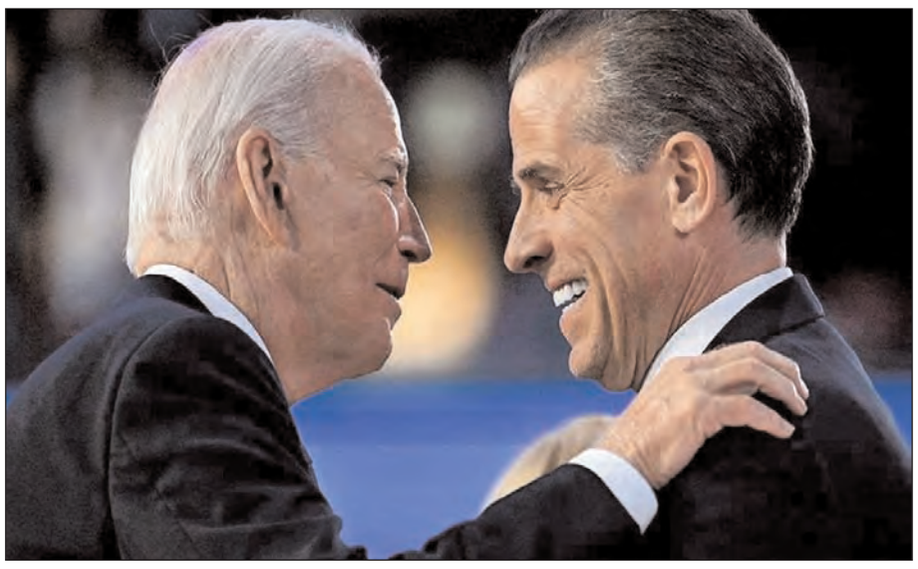

शक्ति जिसका उपयोग पिछले राष्ट्रपतियों ने किया है। परंपरागत रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति पद छोड़ते समय क्षमादान देते हैं। हालांकि, जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को 'पूर्ण और बिना शर्त' क्षमादान देने से इस मुद्दे में जटिलता और सार्वजनिक जांच की एक परत जुड़ गयी है, एक ऐतिहासिक संदर्भ जिसे जनता के लिए समझना महत्वपूर्ण है।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो बाइडेन ने ऐसा क्यों किया। जो बाइडेन ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। वह अपने बेटे को बचाने और सार्वजनिक आलोचना के बीच फंस गये थे। हर कोई जानता है कि वह अपने परिवार के प्रति वफादार है। उनकी छोटी बेटी और पहली पत्नी की एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गयी, जिसमें उनके बेटे ब्यू और हंटर भी घायल हो गये थे। बाइडेन चाहते थे कि ब्यू चुनाव लड़े, लेकिन दुर्भाग्य से ब्यू की 2015 में ब्रेन कैंसर से मृत्यु हो गयी। बाइडेन परिवार के संघर्षों पर इस फोकस का उद्देश्य जनता से सहानुभूति पैदा करना है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, बाइडेन की दूसरी पत्नी ने जो को अंतिम निर्णय लेने के लिए राजी किया। राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है।

दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है। जॉर्ज वाशिंगटन ने कुछ लोगों को क्षमा करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति अक्सर अपने मित्रों और सहयोगियों के लिए अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। एक विवादास्पद मामला पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का था, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड ने 8 सितंबर, 1974 को क्षमा कर दिया था। निक्सन को वाटरगेट घोटाले के लिए संभावित अभियोजन का सामना करना पड़ा। 1992 के अंत में, राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने ईरान-कॉन्ट्रा मामले में फंसे छह लोगों को क्षमा कर दिया, जिनमें पूर्व रक्षा सचिव वेनबर्गर भी शामिल थे। बिल क्लिंटन, जिन्होंने यह कहने के बावजूद कि वह ऐसा नहीं करेंगे, अपने सौतेले भाई रोजर को कोकीन सम्बंधी आरोपों के लिए क्षमा कर दिया। इसी तरह, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जेरेडकुशनर के पिता को कर चोरी और सहयोगी गवाह के खिलाफ प्रतिशोध के लिए माफ कर दिया। दोनों पहले ही अपनी जेल की सजा काट चुके थे। अपने पहले कार्यकाल के उत्तरार्ध के दौरान, ट्रम्प ने कई ऐसे व्यक्तियों को माफी दी जो गलत कामों में लिप्त थे।

राहत महसूस कर रहे हंटर ने एक बयान में कहा, 'मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों के दौरान अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी जिम्मेदारी ली है - ऐसी गलतियां जिनका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को राजनीतिक खेल के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और शर्मिंदा करने के लिए किया गया है।' हंटर बाइडेन के खिलाफ मामला कई वर्षों तक चला, जिसमें कर अपराधों और बंदूक की तस्करी के आरोप शामिल थे। उन्हें जून में दोषी ठहराया गया और सितंबर में कर चोरी के लिए दोषी ठहराया गया। बाइडेन ने कहा कि- हंटर पर 'चुनिंदा और अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया गया' और बताया कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। क्षमा का तत्काल प्रभाव यह है कि इससे डेमोक्रेट के लिए ट्रम्प की आलोचना करना कठिन हो जाता है। साथ ही, इसने ट्रम्प को 6 जनवरी की घटनाओं के लिए आरोपित लोगों को क्षमा करने का मौका दिया है। शुरूआत में हंटर को क्षमा न करने की घोषणा करने के बाद बाइडेन के मन में आये बदलाव के अपने कारण थे। उनमें से एक उनकी पत्नी थी, जिन्होंने बाइडेन को ऐसा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि हंटर को केवल इसलिए चुना गया क्योंकि हंटर उनका बेटा था। राष्ट्रपति बाइडेन ने 25 व्यक्तियों को क्षमा किया है, जिनमें से कोई भी सीधे तौर पर उनसे जुड़ा नहीं है। आम तौर पर, राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के अंत में कई क्षमा अनुरोधों को मंजूरी देते हैं। फिर भी, क्षमा राष्ट्रपति पद पर जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाती है।

राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 20 जनवरी, 2001 को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन 140 क्षमादानों पर हस्ताक्षर किये। कई विधिनिमार्ता भविष्य के लिए संभावित खराब मिसाल के बारे में चिंतित हैं। समस्या को हल करने का एक तरीका संविधान में संशोधन करना हो सकता है। फिर भी, यह एक लंबी प्रक्रिया है, और किसी भी पार्टी के पास कांग्रेस में इसे पारित करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। आलोचकों का तर्क है कि यह एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकता है और न्याय प्रणाली में जनता का भरोसा खत्म कर सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए की गई कार्रवाइयों के लिए आरोपित करना अधिक कठिन बना दिया है। वे किसी भी संभावित दोष के लिए राष्ट्रपति को जवाबदेह ठहराने के रास्ते सीमित करते हैं।

क्षमादान शक्ति का दुरुपयोग माना जा रहा है, परन्तु हंटर की क्षमादान के बाद, राष्ट्रपति बाइडेन अपने सहयोगियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक क्षमादान देने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाऊस की प्रेस सचिव कैरिनजीन-पियरे ने कहा कि व्हाइट हाऊस छोड़ने से पहले, बाइडेन अतिरिक्त क्षमादान जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रम्प ने घोषणा की कि वह बाइडेन के शपथ लेने के दौरान कांग्रेस में हुए 2021 के टकराव को क्षमा करेंगे। यदि वह जनता की राय का सम्मान करते हैं तो उन्हें क्षमादान देने से पहले

संसद को ठप करती सरकार

दुनिया भर के संसदीय इतिहास में सम्भवतः ऐसा उदाहरण ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जो भारतीय संसद पेश कर रही है। अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था।

विपक्ष को कुचलने के लिये जानी जाने वाली भाजपा सरकार ने लोकसभा में कमजोर विपक्ष देखकर पहले से ही ठान लिया था कि विरोधी आवाज को सदनों के बाहर भी कुचला जायेगा, भीतर भी, हर जगह...। ऐलानिया तौर पर पहले 'कांग्रेस मुक्त भारत' और बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' का नारा देने वाले मोदी और भाजपा ने संसद के बाहर येन केन प्रकारेण कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष को या तो चुनावों में हराया या फिर उनकी निर्वाचित सरकारों को ललचाकर या डरा-धमकाकर गिराया। साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं को दल में आयात किया। इसके समांतर सदन के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को अपनी बात न कहने देने के लिये संख्या बल के जरिये भाजपा ने सारे हथकण्डे हथियाये, जिसमें से उसका लोकप्रिय हथियार है सदन को ही ठप करना। यहीं पर भारतीय संसद दुनिया भर की अन्य संसदों से अलग हो जाती है- एकदम अनूठी।

इस साल की जून के पहले सप्ताह में निकले लोकसभा चुनावों के नतीजों के जरिये तीसरी बार यानी मौजूदा सरकार बनाने में मोदी-भाजपा को कामयाबी मिल तो गयी लेकिन विपक्ष बेहद मजबूत हो कर लौटा।

ये अप्रत्याशित नतीजे थे जिसने मोदी को दो अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने के लिये मजबूर कर दिया। ये नतीजे मोदी पर अनेकानेक आरोपों की छाया में लड़े गये लोकसभा चुनाव के थे। इनमें प्रमुख थे- संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की

भाजपायी साजिश, जातिगत जनगणना, कारोबारी गौतम अदाणी को मोदी द्वारा अंधाधुंध लाभ पहुंचाना, मणिपुर में हिंसा व कुकी समुदाय पर अत्याचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित निर्वाचन आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया, इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये भाजपा को लाभ आदि। इनमें से कई मामले ऐसे थे जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) और जनवरी 2024 से मार्च तक (मणिपुर से मुम्बई) निकलीं क्रमशः 'भारत जोड़ो यात्रा' तथा 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान जोरदार ढंग से उठाये जा चुके थे। पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के पहले इंडिया गठबन्धन बन चुका था जिसने इन सारे मुद्दों को एक जनविमर्श का रूप दिया।

यह तो सही है कि मोदी-भाजपा ने इन मुद्दों के बावजूद विजय पायी लेकिन माना गया कि इन्हीं मसलों ने भाजपा के 400 पार के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह भी सच है कि इन मुद्दों को लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने जो हमले भाजपा और मोदी पर किये उसी का परिणाम रहा कि मोदी तेलुगु देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों पर जा टिके। कमजोर होकर संसद में आये तीसरी मर्तबा के पीएम मोदी का इस बार सामना अपेक्षाकृत बड़े, मजबूत व अब तक एकजुट विपक्षी गठबन्धन से हो रहा है।

इंडिया ने कहानी वहीं से शुरू की जहां उसने लोकसभा के चुनावी अभियान के अंतिम दिन यानी प्रचार बन्द होने की शाम को छोड़ी थी। पहले की दोनों लोकसभाओं (2014 एवं 2019 की) में भाजपा बेहद ताकतवर थी, विशेषकर इसकी पूर्ववर्ती। इसलिये 10 वर्षों तक मोदी की दिलचस्पी कम से कम उतनी देर तक संसद के सदनों को चलाये रखने में होती थी जितनी देर वे विपक्ष की आलोचना कर सकें, कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल की खामियां गिना सकें, नेहरू खानदान का अपमान कर सकें और अपने आप को अकेले ही सब पर भारी बतला सकें। अब लोकसभा का चेहरा दूसरा है। इसलिये अब भाजपा का लक्ष्य होता है कि संसद थोड़ी देर भी न चले। संसद की बैठकें प्रारम्भ होने पर जैसे ही प्रतिपक्ष अदानी के मुद्दे को लेकर हमलावर होता है; क्योंकि यह इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा है, सत्ता बेंच का नियोजित खेल होने लगता है। हिंडनबर्ग की दो-दो रिपोर्टों में अदानी एवं उनके भाइयों की कारगुजारियों की बहुतेरी गाथाएं सामने आने के बाद हाल ही में सेबी अध्यक्ष माधवी बुच पर

उंगलियां उठने से विपक्ष पहले दिन से आक्रामक है और इस बाबत गहन जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराये जाने की मांग पर अड़ा हुआ है।

ऐसे में लोकसभा में सरकार का बचाव सदन के अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं तो राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़। दोनों ने ही अदानी का नाम लेने पर अपने-अपने सदनों में पूरी पाबंदी लगा रखी है। लोकसभा हो या राज्यसभा- अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी का नाम लेते ही उन वाक्यांशों को कार्यवाही से हटा दिया जाता है और सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। बिरला-धनखड़ ने अदानी के नाम पर पिछली लोकसभा में कई दर्जन सदस्यों को निलम्बित कर दिया था।

बिरला को इसका पुरस्कार दोबारा अध्यक्ष बनाकर दिया गया तो वहीं धनखड़ जो पदेन उप राष्ट्रपति हैं, एक पायदान ऊपर चढ़कर देश का सर्वोच्च पद पाने को लालायित हैं। इसलिये वे राज्यसभा में अदानी का नाम लेने से विरोधी सदस्यों को मना करते हैं पर जॉर्ज सोरोस का भाजपायी सदस्यों द्वारा उल्लेख करने से उन्हें गुरेज नहीं है। उनके खिलाफ इसलिये नाराज विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला रहा है। इस आड़ में सत्तारुढ़ दल ही संसद को ठप किये हुए हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, संसदीय परम्परा के प्रतिकूल भी।

फिलीस्तीनी राजदूत की प्रियंका गांधी से मुलाकात के मायने

- सर्वमित्रा सुरजन

देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरू हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता-बसता राज्य तबाह हो गया है। डेढ़ साल बाद भी वहां शांति की कोई सूरत नहीं बन रही। न ही केंद्र सरकार इसमें कोई जिम्मेदारी पूरी करती दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो हाल में ये कह दिया कि पूर्वोत्तर में इस समय अभूतपूर्व शांति है। शायद उन्हें मणिपुर दिख नहीं रहा।

बुधवार को फिलीस्तीन के राजदूत आबेद एलराजेग अबू जाजेर ने वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी को उनकी जीत पर बधाई दी। श्रीमती गांधी के आवास पर हुई इस मुलाकात की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें फिलीस्तीनी राजदूत और प्रियंका गांधी एक तस्वीर को थामे हुए हैं, जिसमें फिलीस्तीनी नेता यासिर अराफात और इंदिरा गांधी नजर आ रहे हैं।

देश में इस वक्त उठे सियासी बवाल और कांग्रेस को कमजोर साबित करने की कोशिश के बीच यह एक सुखद और भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। अमूमन विदेशी राजदूतों की मुलाकात केन्द्रीय मंत्रियों, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या अन्य पदाधिकारियों आदि से होती है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि किसी के सांसद निर्वाचित होने पर किसी देश के राजदूत खुद बधाई देने पहुंचे। मगर प्रियंका गांधी को बधाई देने के तार इतिहास, वर्तमान और भविष्य तीनों से जुड़े हैं। फिलीस्तीन इस वक्त इजरायल के हमलों का शिकार होकर तबाह हो चुका है। युद्ध विराम की कोई सूरत वहां नहीं बन रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास को खत्म करने की कसम में मासूम बच्चों को मारने से भी बाज नहीं आ रहे। जिस तरह कंस अपने प्राणों की रक्षा के लिए देवकी के नवजात बच्चों को पटक कर मार देता था, ठीक वैसा ही काम इस समय फिलीस्तीन में किया जा रहा है और दुनिया के ताकतवर नेता कहलाने का घमंड करने वाले लोग मुंह में दही जमा कर बैठे हैं।

लेकिन प्रियंका गांधी लगातार इजरायल का खुल कर विरोध कर रही हैं। राजदूत अबू जाजेर से भी उन्होंने कहा कि मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसने अपना बच्चा खोया है। वहीं फिलीस्तीनी राजदूत ने भी फिलीस्तीन अधिकारों को मजबूत करने की पहल में भारत के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। इस मुलाकात में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भी याद किया गया। फिलीस्तीन राजदूत का यूं प्रियंका गांधी को बधाई देने पहुंचने का अर्थ है कि फिलीस्तीन भविष्य में भी कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित कर रहा है। ये और बात है कि मौजूदा निजाम में भाजपा के नेताओं के लिए इजरायल आदर्श बना हुआ है।

असम में शहीद दिवस के एक कार्यक्रम में सोनितपुर पहुंचे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 'ऐतिहासिक रूप से हमारी सीमाएं बांग्लादेश, म्यांमार और पश्चिम बंगाल के साथ साझा होती हैं। हम (असमिया लोग) 12 जिलों में अल्पसंख्यक हैं। हमें इजरायल जैसे देशों के इतिहास से सीखना होगा कि कैसे ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके और अदम्य साहस के साथ, दुश्मनों से घिरे होने के बावजूद भी यह एक मजबूत देश बन गया है। तभी हम एक जाति (समुदाय) के रूप में जीवित रह सकते हैं।' इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि असम आंदोलन असमिया लोगों की पहचान की रक्षा के लिए था। लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि खतरा खत्म नहीं हुआ है। हर दिन, जनसांख्यिकी बदल रही है, हर दिन स्वदेशी लोग भूमि अधिकार खो रहे हैं। गौरतलब है कि असमिया समाज की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए 1979 से 1985 तक असम आंदोलन चला था, जो 15 अगस्त 1985 को केंद्र सरकार के साथ हुए एक समझौते के साथ खत्म हुआ, इसे असम समझौते के तौर पर जाना जाता है।

असम के मुख्यमंत्री अब उसी आंदोलन की याद फिर से जनता को दिलाते हुए आगाह कर रहे हैं कि खतरा खत्म नहीं हुआ है और इसमें वे जिस तरह इजरायल का उदाहरण पेश कर रहे हैं, उससे जाहिर होता है कि वे शांति के महत्व को नकार रहे हैं। देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरू हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता-बसता राज्य तबाह हो गया है। डेढ़ साल बाद भी वहां शांति की कोई सूरत नहीं बन रही। न ही केंद्र सरकार इसमें कोई जिम्मेदारी पूरी करती दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो हाल में ये कह दिया कि पूर्वोत्तर में इस समय अभूतपूर्व शांति है। शायद उन्हें मणिपुर दिख नहीं रहा, या उन्होंने अब उसे भारत का हिस्सा मानना ही छोड़ दिया है।

चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/विद्यालय/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में थाना संदीपन घाट पुलिस टीम द्वारा महगांव व मूरतगंज बाजार मे भ्रमण कर, थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में चौपाल लगाकर, थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा काशीराम कॉलोनी सिविल लाइन क्षेत्र मे भ्रमण कर, थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के हल्का न01 मे जाकर , थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र मे व बाजार मे भ्रमणशील रहकर, थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा प्राथमिक उच्च माध्यमिक विद्यालय कमासिन, थाना सरायअकिल पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र मे, थाना मो0पुर पंइसा पुलिस टीम द्वारा ग्राम अफजलपुरबारी मे, महिला थाना पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र मे, थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा ग्राम आरी सुमेरपुर मे भ्रमणशील रहते हुए/चौपाल लगाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

एसपी संतोष मिश्रा ने परेड की ली सलामी, किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में सम्मिलित सभी पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी / कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की निर्धारित वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात सभी पुलिस कर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई। परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड के दौरान समस्त थानें, यातायात कार्यालय व पुलिस ऑफिस के विभिन्न कार्यलयों से नि0, उ0नि0, प्रशिक्षु उ0नि0, हे0का0, का0 सहित कुल 308 लोग उपस्थित रहे तथा जो लोग परेड से अनुपस्थित रहे उनका रपट अंकित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पीआरवी-112 के वाहनों को चेक किया गया। विभिन्न थाना अन्तर्गत संचालित कुल 10 पीआरवी वाहन सहित कुल 46 कर्मचारीगण परेड में उपस्थित रहे। एसपी द्वारा सभी को आदेशित किया गया कि सायरन/ पी.ए.सिस्टम चालू हालत में हो सुनिश्चित करें। उपकरणों के रख रखाव व उपकरणों से घटनास्थल पर क्राइम सीन की रूपरेखा तैयार कर क्राइम सीन प्रोटेक्शन के बारे में बताया गया। घटनास्थल पर सबसे पहले पुलिस कर्मियों द्वारा जो कार्यवाही की जाती है उस संबंध में सभी पुलिसकर्मियों को अभ्यास कराया कि किस तरीके से घटनास्थल पर पहुंच कर एविडेंस तथा नमूना इकट्ठे करते हैं, उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। रिस्पॉन्स टाइम सही रखने हेतु सख्त हिदायत दी गयी।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए दिनांक 01.12.2024 से 15.12.2024 तक तीव्र गति से चलने वाले तथा उल्टा दिशा में चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई हेतु चलाए जा रहे अभियान में यातायात प्रभारी लाल जी सविता एवं यातायात पुलिस द्वारा हाईवे पर विभिन्न स्थानों पर स्पीड रडार गन मशीन से सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा ट्रैक्टर ट्राली आदि माल वाहक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया इसके साथ-साथ दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, सवारी ई रिक्शा पर माल को ढोने वाले ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई तथा बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई और नाबालिक द्वारा वाहन चलाने,

टेंपो टैक्सी के द्वारा स्कूली छात्र छात्रों का परिवहन करने वाले अवैध वाहनों की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई ।

पांच थानों की पुलिस ने सात वारंटी पकड़े

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। कप्तान बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश दिए अभियान चलाकर सात वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कररी पुलिस उ०नि० अमित द्विवेदी ने वारण्टी अभियुक्त रामबाबू पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी पंडिरी थाना कररी को गिरफ्तार किया गया।

थाना पश्चिम शरीरा पुलिस उ०नि० मो० फारुख खान मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त सुकरु पुत्र अशफीलाल निवासी व थाना पश्चिम शरीरा को गिरफ्तार किया गया। थाना कड़ाधाम पुलिस उ०नि० समरजीत वर्मा मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र रामदीन नि० ग्राम मो०पुर जीता थाना कड़ाधाम को गिरफ्तार किया गया।

थाना सैनी के सिराथू चौकी प्रभारी मनोज कुमार तोमर ने 2 वारण्टी अभियुक्तों दीपक कुमार पटेल पुत्र दिलीप कुमार उर्फ तकलीफ . दिलीप कुमार उर्फ तकलीफ पुत्र हरीलाल नि०गण निहालपुर, वारण्टी अदालती पुत्र जगन्नाथ पासी नि० देवीगंज थाना कड़ाधाम को गिरफ्तार किया गया।

थाना मंझनपुर पुलिस उ०नि० प्रमेश कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त सत्येन्द्र कुमारपुत्र दशरथ लोधी नि० ग्राम गोबरसहाई थाना मंझनपुन को गिरफ्तार किया।

सड़क हादसे में ब्यक्ति की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के टिकरा चौराहे के पास एक व्यक्ति को तेजगति वाहन ने टक्कर मार दिया है जिससे अज्ञात व्यक्ति सड़क पर गिर पड़ा है और मौके पर तड़प तड़प कर उसकी दर्दनाक मौत हो गई है सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को लल्लन उर्फ ललवा उम्र 35 वर्ष पुत्र सुन्दरलाल लोधी निवासी टिकरा थाना महेवाघाट किसी काम से जा रहा था जैसे ही वह महेवाघाट थाना क्षेत्र के टिकरा चौराहा के पास पहुचा अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे लल्लन उर्फ ललवा सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर उस्कीबददर्दनाक मृत्यु हो गयी दुर्घटना के बाद वाहन समेत वाहन चालक फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस भेज दिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

मायके पक्ष ने पति पर लगाया जहर खिलाकर मारने का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के ग्राम आदमपुर नादिरअली की एक महिला की शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई वही मामले में पुलिस का कहना है कि महिला की मौत जहर खाने से हुई है सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया दिया है।मायके पक्ष ने पति पर जहर खिलाकर मारने का आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक अनीता देवी उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी मिठ्ठू यादव की शुक्रवार को अचानक हालत गंभीर होने पर उसके परिवार के लोग इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जा रहे थे रास्ते में महिला की मौत हो गई सूत्रों की माने तो महिला के पति का दूसरी औरत के साथ संबंध है जिसके कारण महिला के मायके पक्ष के लोगो ने महिला को जबरदस्ती जहर खिलाकर मारने का आरोप पति पर लगाया है।

स्वयं की सुरक्षा के लिए महिलाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, करखों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076ह्लमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

पेट्रोल की बोतल-लेकर ट्रेन के डिब्बे में बंद हुआ युवक

आत्मदाह करने की दी धमकी, तीन घंटे निकला बाहर; जमीन पर भू-माफियाओं ने कर रखा था कब्जा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! बिजनौर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सवार एक यात्री ने तेल की बोतल हाथ में लेकर अपने आप को दिव्यांग डिब्बे में बंद कर लिया। जमकर हंगामा करने लगा। सूचना पर भारी संख्या पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। युवक को समझा बूझकर ट्रेन से उतारने के प्रयास में जुटी रही। करीब 3 घंटे बाद पुलिस ने उसे बाहर निकाल लिया है। बिजनौर कोतवाली शहर के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को करीब सवा दस बजे गजरौला से नजीबाबाद जा रही पैसेंजर ट्रेन के दिव्यांग डिब्बे में एक व्यक्ति ने खुद को बंद कर लिया। तेल की बोतल हाथ में लेकर जमकर हंगामा कर अपने आप को आत्मदाह करने की चेतावनी देने लगा। युवक का शोर सुनकर स्टेशन पर मौजूद आसपास के काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई।3 घंटे ट्रेन के अंदर बंद रहा सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ी, एसडीएम सदर अवनीश कुमार, सीओ सिटी संग्राम सिंह, शहर कोतवाल उदय प्रताप, भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब 3 घंटे बाद प्रशासन ने व्यक्ति को नीचे उतार लिया है। करीब तीन घंटे रेलवे स्टेशन पर ही ट्रेन खड़ी रही है, सभी यात्री परेशान रहे । फिलहाल 3 घंटे बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया है। माफियाओं ने जमीन पर कब्जा कर रखा था ट्रेन पर अपने आप को बंद करने वाला व्यक्ति का नाम भारत भूषण है, जो चांदपुर क्षेत्र के पीपलसाना का रहने वाला है। उसका कहना है कि उसकी ससुराल वालों की जमीन लगभग तीन जगह बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र के आदमपुर इलाके में है। जहां कुछ कॉलोनाइजर और माफियाओं ने उसके सास और ससुर की जमीन पर कब्जा कर लिया है। पिछले तीन से चार साल से परेशान था वह पिछले तीन से चार साल से परेशान है। कई बार अधिकारियों के चक्कर काट चुका है, लेकिन उसकी कोई बात सुनने को तैयार नहीं था। जिसके चलते उसने आज कदम उठाया है। अब अधिकारियों ने उसे की जमीन छुड़ाया जाने का आश्वासन दिया है।

एसडीएम के आश्वासन के बाद माना

वहीं एसडीएम सदर अवनीश कुमार का कहना- ट्रेन में चढ़े व्यक्ति को करीब 3 घण्टे बाद आश्वासन देकर उतार लिया गया है।

उसका कहना है कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा किया गया। इस पूरे मामले की जांच की जाएगी । अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खंसार में बन रहे ए एन एम सेंटर में धांधली का आरोप

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर विकास खंड के खंसार गांव में बन रहे ए एन एम सेंटर में ग्रामीणों ने धांधली का आरोप लगाते हुए गुणवत्ता विहीन की शिकायत सी एच सी अधीक्षक फूलपुर से करते हुए जांच कराए जाने की मांग की है। फूलपुर विकास खंड के खंसार गांव में इन दिनों ए एन एम सेंटर का निर्माण लाखों रुपए कीमत से स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो कक्षीय भवन का निर्माण स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराया जा रहा है उक्त भवन का निर्माण करने के ग्राम पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध कराई कई किंतु कार्यदाई संस्था द्वारा धांधली करते हुए उक्त सेंटर का निर्माण गुणवत्त विहीन किया जा रहा है जिसका ग्रामीणों ने विरोध करते हुए आरोप लगाया कि ईंट,बालू एवं घटिया किस्म की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है जिसमें स्वास्थ्य विभाग की मिली भगत है गांव के मंगला प्रसाद बिंद सहित ग्रामीणों ने सी एच सी अधीक्षक फूलपुर नवीन कुमार पटेल से शिकायत करते हुए उक्त निमार्णा धीन ए एन एम सेंटर की जांच कर गुणवत्तापूर्ण कराए जाने की मांग की है।

फूलपुर के टीटी टीजर टैलेंट स्कूल में महिलाओं और छात्राओं को किया गया जागरूक

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर के टीटी टीजर टैलेंट स्कूल में बृहस्पतिवार को मिशन शक्ति फेस 05 शक्ति दीदी अभियान व एंटी रोमियो स्क्वायड के अंतर्गत फूलपुर की महिला उपनिरीक्षकों ने शासन द्वारा स्कूल कॉलेज और ग्रामीण क्षेत्रों टीटी टीजर टैलेंट स्कूल फूलपुर में थाना फूलपुर की उप निरीक्षक विभा सिंह द्वारा सभी महिलाओं और छात्राओं को उनकी सुरक्षा व सम्मान के प्रति जागरुक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन 1090,घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन 112,स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108,साइबर क्राइम 1930 आदि नम्बरों की जानकारी दी तथा यह भी बताया कि आपातकालीन स्थिति में इन नंबरों का प्रयोग करके आप लोग अपने को सुरक्षित कर सकती है उपनिरीक्षक ने कहा कि आज के युग में छात्राओं और महिलाओं को अपने रक्षा और सुरक्षा के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है इस मौके पर विद्यालय में कार्यरत महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

बीआरसी नेवादा में दिव्यांग छात्रों को वितरण किया उपकरण

-मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए भाजपा जिलाध्यक्ष

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शुक्रवार को बीआरसी नेवादा में कैंप लगाकर छात्राओं को उपकरण वितरण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा धर्मराज मौर्य ने शामिल होकर बांटा दिव्यांग छात्रों को शिविर में अस्थि दिव्यांग छात्र छात्राओं को ट्राई साइकल सेरेब्रल पाल्सी बच्चों को व्हील चेयर रोलेटर नेत्रहीन बच्चों को ब्रेलकिट स्मार्ट कैन श्रवण बाधित बच्चों को श्रवण यंत्र मानसिक मंदित बच्चो को एम आर किट बैसाखी तथा कैलीपर वितरित किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सोनकर, जिला उपाध्यक्ष जय सिंह गुरु जी, कमलेश कुशवाहा, मण्डल महामंत्री रामबाबू, व बीआरसी के तमाम कर्मचारी व अधिकारीगण उपस्थिक रहे।

जूना अखाड़े का छावनी प्रवेश,किन्नर अखाड़ा की देवत्व यात्रा आज

मौज गिरी मंदिर से पूर्वाह्न 11.30 बजे से शुरू होगी यात्रा

आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर , जगद्गुरु, पीठाधीश्वर, महंत सहित अन्य पदाधिकारी, बड़ी संख्या में शिष्य होंगे शामिल

मेला प्रशासन, पुलिस के अफसर संत, महात्माओं का करेंगे स्वागत, अभिनंदन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा का छावनी प्रवेश और किन्नर अखाड़ा की देवत्व यात्रा शनिवार को मौजगिरी मंदिर यमुना बैंक रोड,कीडगंज से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे से शुरू होगी।

इस दौरान भव्य रथ पर अखाड़े के देवता, ध्वज के बाद सभी प्रमुख संत, महात्मा और बड़ी संख्या में उनके शिष्य शामिल होंगे। छावनी प्रवेश के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महाराज, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महराज,जूना अखाड़ा के संरक्षक महंत हरि गिरि महराज, महंत प्रेमगिरी महराज, जगद्गुरु गगार्चार्य मुचकुन्द पीठाधीश्वर स्वामी महेन्द्रानंद गिरि महराज जूनागढ़, जगद्गुरु स्वामी भुवनेश्वरी गिरी महराज पटियाला सहित अन्य प्रमुख संत, महात्मा शामिल होंगे। किन्नर अखाड़ा की देवत्व यात्रा में सबसे आगे माता बऊचरा , फिर अखाड़ा का ध्वज और उसके बाद किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज का रथ रहेगा। किन्नर अखाड़ा की देवत्व यात्रा में किन्नर अखाड़ा की अंतरराष्ट्रीय महामंडलेश्वर डा राजराजेश्वरी शिवप्रिया, उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष एवं उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि, महामंडलेश्वर पवित्रा नंद गिरी, महामंडलेश्वर कामिनी नंद गिरी, महामंडलेश्वर पूजानंद गिरि, महामंडलेश्वर पायल नंद गिरी, महामंडलेश्वर मोहिनी नंद गिरी, उप्र किन्नर कल्याण बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंद गिरी, महंत दुर्गा दास नंद गिरी सहित बड़ी संख्या में महामंडलेश्वर, मण्डलेश्वर, पीठाधीश्वर, महंत, श्रीमहंत सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिष्य देवत्व यात्रा में शामिल होंगे। इस दौरान जूना अखाड़ा एवं किन्नर अखाड़ा के लोग शस्त्र प्रदर्शन करते हुए चलेगे। यह संत , महात्मा सजी हुई बघ्घी, रथ, घोड़े, ऊंट एवं टैक्टर पर रखे हुए रथ पर सवार होकर छावनी प्रवेश एवं देवत्व यात्रा में शामिल होंगे। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि किन्नर अखाड़ा का शिविर महाकुंभ के सेक्टर -16 संगम लोवर मार्ग के दाहिनी पटरी पर लग रहा है। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ में लगे शिविर में

10 जनवरी से कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। शिविर में पौष पूर्णिमा 13 जनवरी से लेकर महाशिवरात्रि 26 फरवरी तक प्रतिदिन पूजन, रूद्राभिषेक, हवन और सनातन धर्म को लेकर गोष्ठी सहित अन्य कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि शिविर में पौष पूर्णिमा 13 जनवरी लेकर 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक विशाल अन्नक्षेत्र चलता रहेगा जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच रेफरी डेविड गिल्बर्ट ने यह जुर्माना तब लगाया जब समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया।खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध के लिए दोषी होने की बात मान ली और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। ऑन-फील्ड अंपायर क्लेयर पोलोसाक और डोनोवन कोच, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर डेविड टेलर ने आरोप लगाए। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से शकस्त दी।

पाकिस्तान के खिलाफ बचे दो टी-20 और वनडे श्रृंखला से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे पाकिस्तान के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय नॉर्टजे को शुरुआती मैच से बाहर बैठना पड़ा क्योंकि मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद किए गए स्कैन से पता चला कि गेंदबाज के बाएं पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। ऑलराउंडर टायन गलीम को नॉर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया है। इस अनकैप्ड पेसर ने अब तक अपने 60 मैचों के टी20 करियर में 46 विकेट चटकाए हैं। इस बीच, नॉर्टजे इस साल जून में आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं, जहाँ वे 15 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे थे। कार्यभार प्रबंधन के कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ राष्ट्रीय अनुबंध से भी बाहर होने का विकल्प चुना था। दक्षिण अफ्रीका के लिए चोटिल गेंदबाजों की लंबी सूची में नॉर्टजे पांचवें स्थान पर हैं। गेराल्ड कोएट्जी कमर की चोट के कारण बाहर हैं जबकि नांद्रे बर्गर पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हैं। लुंगी एनगिडी को कूल्हे में चोट लगी है जबकि श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बाहर हुए वियान मुल्डर की उंगली टूट गई है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन ओलंपिक की सीईओ सिंडी हुक से की मुलाकात

ब्रिसबेन। क्रिकेट वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करने के लिए तैयार है। यह 128 वर्षों के अंतराल के बाद खेल की ओलंपिक में वापसी का प्रतीक है। क्रिकेट आखिरी बार 1900 पेरिस ओलंपिक में शामिल हुआ था, जहाँ ग्रेट ब्रिटेन ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की आयोजन की सीईओ सिंडी हुक से मुलाकात की। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए बहुत ही रोमांचक समय है - आज ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक आयोजन समिति के साथ बैठक हुई। क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल करने का फैसला पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र के दौरान लिया गया था। प्रतियोगिता का प्रारूप टी-20 होगा, जो खेल का एक तेज-तर्रार और लोकप्रिय संस्करण है, जिसके वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है। पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में क्रिकेट की सफल वापसी के बाद ओलंपिक में क्रिकेट को फिर से शामिल किया गया है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए एक बहु-राष्ट्र टी20 टूर्नामेंट शामिल था। भारत ने इस आयोजन पर अपना दबदबा बनाया और दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किया।

तेलुगू टाइटंस को हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचे दबंग दिल्ली केसी

पुणे। नवीन कुमार (11) और आशु मलिक (9) के बेहतरीन खेल की बदौलत दबंग दिल्ली केसी ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 107वें मैच में तेलुगू टाइटंस को 33-27 के अंतर से हराकर दो पायदान की छलांग के साथ अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। आज यहां खेले गये मुकाबले में दिल्ली को 18 मैचों में नौवीं जीत मिली जबकि टाइटंस को 19 मैचों में नौवीं हार मिला। टाइटंस के लिए विजय मलिक (10) और आशीष नरवाल (8) ने पूरा जोर लगाया लेकिन पवन सहरावत की वापसी से उसे फायदा नहीं मिला। 36वें मिनट तक मुकाबला बराबरी पर था लेकिन दिल्ली ने आलआउट लेकर 4 अंक की बढ़त ली और उसे कायम रखा। चोट के कारण 28 दिन बाद पवन की वापसी हुई लेकिन आशू को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने मल्टी प्वाइंटर के साथ आगाज किया। शुरुआती 10 मिनट में दिल्ली 7-6 से आगे थे। इस दौरान खेल रेडरों की बदौलत चला। दिल्ली ने 5 के मुकाबले 6 रेड प्वाइंट लिए। डिफेंस मे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला।

डी गुकेश ने जीता विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब, 14वें दौर में डिंग लिरेन को हराया

एजेंसी

पर्थ। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। लिरेन को हराकर वह सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने इतिहास रच दिया। 6.5 अंकों के साथ खेल की शुरुआत हुई थी। अंतिम मैच भी ड्रॉ की तरफ बढ़ता दिख रहा था कि तभी लिरेन की एक गलती उनके लिए भारी पड़ गई और गुकेश को जीत दिला गई। भारतीय युवा स्टार ने लिरेन को 7.5-6-5 से हराकर विश्व खिताब अपने नाम किया। 12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब पर कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की है।

गुकेश ने रचा इतिहास

गुकेश ने 18 साल आठ महीने 14 दिन की उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 22 वर्ष छह महीने 27 दिन की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश

से पहले भारत के विश्वनाथन आनंद (2000-2002 और 2007-2013) विश्व शतरंज चैंपियन रहे।

गुकेश के लिए यादगार रहा यह साल

गुकेश के लिए वर्ष 2024 यादगार रहा है। इस वर्ष उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतकर डिंग लिरेन को चुनौती देने का अधिकार हासिल किया। वह विश्व चैंपियन को चुनौती देने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने यह टूर्नामेंट विश्व नंबर दो फैबियानो कारुआना, विश्व नंबर तीन हिकारू नाकामुरा और भारत के आर प्रगनानंद की मौजूदगी में जीता। इसी वर्ष उन्होंने अर्जुन एरिगेसी, प्रगनानंद, विदित गुजराती के साथ मिलकर भारत को पहली बार चेस ओलंपियाड का चैंपियन बनाया।

मोदी ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डी गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि ऐतिहासिक है। श्री मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ऐतिहासिक और अनुकरणीय। गुकेश डी को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई। यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत ने न केवल शतरंज के इतिहास में उनका नाम दर्ज किया है, बल्कि लाखों युवा दिमागों को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

पाकिस्तान के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम घोषित

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में अगले साल होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मद्देनजर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत पाकिस्तान के खिलाफ 17 दिसंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टेम्बा बावुमा की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम में कगिसो रबाडा की वापसी हुई है। रबाडा 2023 क्रिकेट विश्व कप के बाद पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टीम के एकदिनी सेटअप में लौटे हैं। वहीं, डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन को दिसंबर 2023 के बाद पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

पहली बार प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी क्वेना मफाका को दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही टी20 क्रिकेट में छाया हुआ है। मफाका ने 9.71 की औसत से 21 विकेट लेने के बाद इस साल की शुरुआत में अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता है। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण में ओटनील बार्टमैन के अलावा, ऑलराउंडर मार्को जानसन और एंडिले फेहलुकवायो भी टीम में शामिल हैं।दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के कोच रॉब वाल्टर ने चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए चुनी गई टीम को मजबूत और ट्राफी जीतने का दावेदार बताया है। वाल्टर ने आगे कहा कि हमने अपनी सबसे मजबूत टीम का चयन किया है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी मैच विजेता बनने में सक्षम है। हम यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं कि यह टीम एक साथ कैसा प्रदर्शन करती है।

वाल्टर ने पैर की अंगुली में लगी चोट की वजह से एनरिक नॉर्टजे के टीम से बाहर होने को अनलकी बताया है। उन्होंने कहा कि अगर नॉर्टजे भी टीम के साथ होते तो गेंदबाजी की धार और पैनी होती। पाकिस्तान के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला पार्ल में 17 दिसम्बर को खेला जाएगा। जबकि दूसरा मैच कैपटाउन में 19 दिसंबर और तीसरा और आखिरी मुकाबला 22 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में खेलेंगे जोश हेजलवुड, बोलैंड बाहर

एजेंसी

गाबा। जोश हेजलवुड को ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि वह स्कॉट बोलैंड की जगह लेंगे। आस्ट्रेलियाई एकादश में यह एकमात्र बदलाव होगा। हेजलवुड पर्थ में पहले टेस्ट में साइड स्ट्रेन के कारण एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की जीत से चूक गए थे, जबकि दूसरे टेस्ट में बोलैंड ने दो पारियों में पांच महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। हेजलवुड ने सप्ताह के दौरान कुछ फिटनेस टेस्ट दिए। गाबा नेट्स में केवल छोटे रन-अप उपलब्ध होने और कोई अतिरिक्त सेंटर विकेट नहीं होने के कारण, हेजलवुड एलन बॉर्डर फील्ड में गेंदबाजी कोच डेनियल विटोरी की निगरानी में मिशेल स्टार्क के साथ अपना पूरा रन बनाने के लिए उतरे। गुरुवार की सुबह एडिलेड में भी गेंदबाजी करने के बाद, हेजलवुड को वापसी के लिए फिट घोषित किया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, जोश वापस आ गया है... उसे कोई परेशानी नहीं हुई। कल उसने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, कुछ दिन पहले जब भी उसने खेला है, वह शानदार रहा है। स्कॉटी के लिए यह दुर्भाग्य की बात है, लेकिन फिर भी इस श्रृंखला में खेलने के लिए काफी कुछ है। मुझे आश्चर्य होगा अगर उसे किसी समय एक और मौका नहीं

मिलता है। एडिलेड में भी उसने अच्छी गेंदबाजी की थी। वह और मेडिकल टीम बहुत आश्वस्त हैं। श्रृंखला के अंतिम तीन टेस्ट 25 दिनों की अवधि में खेले जाने के साथ, कमिंस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस गर्मी में बोलैंड को फिर से इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह कठिन है, उसने एडिलेड में शानदार प्रदर्शन किया। दुर्भाग्य से उसने पिछले 18 महीनों में बेंच पर काफी समय बिताया है। और हेजलवुड ने गुरुवार दोपहर एलन बॉर्डर फ़ील्ड में मुख्य समूह से दूर एक प्रशिक्षण सत्र में शीर्ष गति प्राप्त की। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने लंबे समय के साथी मिशेल स्टार्क के साथ क्वींसलैंड की चिलचिलाती धूप में 45 मिनट के गहन सत्र में पसीना बहाया, जिसमें दोनों ने टेस्ट टीम के सदस्य जोश इंगलिस और क्वींसलैंड के बल्लेबाज लैचलन हर्न को गेंदबाजी की।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा, आकिब जावेद ने संभाली कमान

एजेंसी

लाहौर। जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने टीम के दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अपने फैसले की जानकारी दी। गिलेस्पी का इस्तीफा काफी हद तक अपेक्षित था, क्योंकि पीसीबी ने उनके सहायक कोच टिम नीलसन के अनुबंध को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था। ऐसा कहा जाता है कि गिलेस्पी और नीलसन दोनों के बीच अच्छे कामकाजी संबंध थे। पीसीबी ने कहा कि आकिब जावेद अंतरिम आधार पर रेड बॉल कोच का पद संभालेंगे। आकिब को पहले भी गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और वह वर्तमान में तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान व्हाइट-बॉल टीम के साथ हैं। पीसीबी ने एक बयान में कहा, रेड-बॉल हेड-कोच जेसन गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद पीसीबी ने आकिब जावेद को अंतरिम रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त

किया है। रेड-बॉल हेड कोच के तौर पर आकिब का पहला काम पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी पीसीबी के कुछ हालिया फैसलों से नाराज हैं और नीलसन की स्थिति ने उनके लिए आखिरी संकट खड़ा कर दिया। गिलेस्पी को इस साल की शुरुआत में पीसीबी ने लाल गेंद वाली टीम के लिए दो साल के लिए अनुबंधित किया था। लेकिन वह पिछले कुछ समय से पीसीबी से नाखुश हैं, क्योंकि हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान कुछ अहम फैसलों में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

नीरज चोपड़ा की प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और विश्व एथलेटिक्स महिला फील्ड इवेंट एथलीट ऑफ द ईयर यूक्रेन की यारोस्लावा महुचिख उन 23 एथलीटों में शामिल हैं जिनकी प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया। विश्व एथलेटिक्स संग्रहालय (एमओडब्ल्यूए) एथलीटों की कलाकृतियों को ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करेगा।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, उन एथलीटों को धन्यवाद जिन्होंने 2024 में हमारे संग्रहालय के संग्रह के लिए अपने प्रतियोगिता के कपड़े, जूते और यहां तक कि पदक भी दान कर दिए हैं। इस साल हमें 1960 के दशक के दो आइकन, व्योमिया टायस और बिली मिल्स, और 1980 के ओलंपिक 100 मीटर चैंपियन एलन वेल्स, साथ ही 2000 और 2008 के ओलंपिक हेप्टाथलॉन स्वर्ण पदक विजेता क्रमशः डेनिस लुईस और नतालिया डोब्रिंस्का से ऐतिहासिक ओलंपिक जीतने वाली वस्तुएं मिली हैं। उन्होंने कहा, ÷अपने ओलंपिक संग्रह को अद्यतन रखते हुए, हमें आज पेरिस 2024 पदक विजेताओं यारोस्लावा महुचिख, थिया लाफॉन्ड और नीरज चोपड़ा से दान की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। महुचिख ने जुलाई में स्टेड चार्लेटी में पेरिस डायमंड लीग में 2.10 मीटर की छलांग के साथ लंबे समय से चले आ रहे विश्व हाई जंप रिकॉर्ड को तोड़ा और अगस्त में स्टेड डी फ्रांस में ओलंपिक खिताब जीता।उन्होंने अपना पेरिस ओलंपिक सिंगलेट, नाम बिब और शॉर्ट्स एमओडब्ल्यूए को दान कर दिया है। महुचिख ने मोनाको में विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में भाग लेने के दौरान कोए को ये आइटम भेंट किए।

लाफॉन्ड, जिन्होंने पेरिस में ओलंपिक ट्रिपल जंप का खिताब 15.02 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ जीता था और डोमिनिका की किसी भी खेल में पहली ओलंपिक पदक विजेता बनी थीं, ने पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान पहनी गई क्रॉप टॉप को इस संग्रह में शामिल किया है। 2024 में, लाफॉन्ड को विश्व इनडोर चैंपियन का भी ताज पहनाया गया, उन्होंने 15.01 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड छलांग के साथ यह खिताब जीता था। टोक्यो खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का पहला ओलंपिक खिताब जीतने वाले नीरज ने पेरिस 2024 में पहनी गई प्रतियोगिता टी-शर्ट दान कर दी है। 89.45 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के साथ, चोपड़ा ने अरशद नदीम के पीछे रजत पदक हासिल किया, जिन्होंने 92.97 मीटर का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था।

युगांडा, तंजानिया ने सीएएफ अफ्रीकी स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप जीती

एजेंसी

कंपाला। युगांडा और तंजानिया ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। सेंट नूह गर्ल्स स्कूल की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली युगांडा की टीम सात अंक प्राप्त करके लड़कियों की श्रेणी में चैंपियन बनी।

युगांडा ने मध्य युगांडा के किटेंडे स्थित सेंट मैरी स्टेडियम में खेले गए अपने आखिरी मैच में रवांडा को 8-0 से हराया। दूसरे मैच में तंजानिया ने बुरुंडी को 1-0 से हराकर सात अंक प्राप्त किए, लेकिन कम गोल अंतर के कारण वह युगांडा से पीछे रह गया। लड़कों की श्रेणी में, तंजानिया रवांडा को 2-0 से हराकर युगांडा से बेहतर गोल अंतर के साथ चैंपियन बनकर उभरा, क्योंकि दोनों टीमें छह अंकों पर बराबरी पर थीं। श्रेणी के दूसरे मैच में, सोमालिया और बुरुंडी ने गोल रहित ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में पाँच लड़कों की टीमें और चार लड़कियों की टीमें शामिल थीं। प्रत्येक श्रेणी के चैंपियन को एक ट्रॉफी, स्वर्ण पदक और 100,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है।

नार्थ इंडिया ओपर स्नूकर टूर्नामेंट : आगरा के पारस ने दिल्ली के मफाज को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के श्वेताभ दीक्षित, अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज, आगरा के पारस गुप्ता व प्रयागराज के विनायक अग्रवाल ने तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट में जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यूपीबीएसए (उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन) के तत्वावधान में आयोजित ग्रीन बैज़ स्नूकर एकेडमी फैजाबाद रोड लखनऊ में राउंड 32 के मैच खेले गए जिसमें रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे लखनऊ के मलकीत सिंह भी अंतिम 16 में पहुंच गए। भारत के दूसरी रैंकिंग खिलाड़ी आगरा के पारस गुप्ता ने दिल्ली के मफाज़ खान को 4-0 से हराया। आज लखनऊ के श्वेताभ दीक्षित ने अगले दौर में जगह बनाई। लखनऊ के लारैब किदवई, आशुतोष रॉय, वंश पंजवानी व अनुज भार्गव हार के साथ बाहर हो गए। शुरुआती मुकाबले में हरियाणा के दिग्विजय

कादियान ने लखनऊ के लारैब किदवई को 4-0 से हराया। दिग्विजय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरे फ्रेम में 80 के प्रभावशाली ब्रेक और 40 के पास लगातार ब्रेक के साथ सटीक खेल दिखाया और तेज़ गेमप्ले से प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया।दूसरी टेबल पर रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे लखनऊ के मलकीत सिंह ने 4-1 से जीत हासिल की। उनका मुकाबला लुधियाना के नीरज बग्गा से था। मलकीत ने संयम के साथ खेलते हुए पहले तीन फ्रेम जीते लेकिन नीरज ने चौथे फ्रेम में जीत से वापसी की कोशिश की। हालांकि मलकीत ने बदली रणनीति के साथ खेलते हुए पांचवें फ्रेम पर अपना दबदबा बनाते हुए मैच भी जीत लिया। तीसरी टेबल पर प्रयागराज के विनायक अग्रवाल ने दिल्ली के प्रतीक चौधरी को 4-0 से हराया। दोनों खिलाड़ी एक जैसे प्रतिभाशाली थे लेकिन विनायक ने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इसी तरह हरियाणा के दिव्य शर्मा ने एकतरफा मैच में तेजतर्रार खेल का प्रदर्शन करते हुए लखनऊ के अनुज भार्गव को 4-0 से हरा दिया।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 : ट्रीसा–गायत्री की जोड़ी ने सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने हांग्जो में ग्रुप ए मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन को 21-19, 21-19 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। ट्रीसा और गायत्री ने आक्रामक शुरुआत की और पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की और मुकाबला बराबरी पर आ गया। लेकिन भारतीयों ने अंतिम चरण में अपना संयम बनाए रखा और पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी पहले पांच अंक तक कांटे का रहा, लेकिन इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने मामूली बढ़त हासिल कर ली।19 अंकों तक मुकाबला फिर से कड़ा रहा, लेकिन भारतीयों ने एक बार फिर संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। ट्रीसा और गायत्री सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय हैं और उन्हें ग्रुप के अपने पहले मैच में दुनिया की नंबर 1 जोड़ी लियू शेंग शू और चीन की टैन निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जीत के बाद, भारतीय टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें शुक्रवार को नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापानी जोड़ी के खिलाफ जीत की जरूरत है।

जमशेदपुर का मजबूत किला जीतकर हैट्रिक लगाने उतरेगी पंजाब एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगा। यह पंजाब एफसी के रणनीतिक कौशल और जमशेदपुर एफ़सी की घरेलू मैदान पर मजबूती के बीच रोमांचक और रणनीतिक मुकाबला होगा।जमशेदपुर ने इस सीजन में अपने घरेलू मैचों से अब तक 15 में से 12 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने 91 गोल-स्कोरिंग अवसर बनाए और 14 गोल किए हैं। जमशेदपुर एफ़सी नौ मैचों में पांच जीत और चार हार से 15 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। वहीं, अब रक्षात्मक सुदृढ़ता दिखाने वाली पंजाब एफसी नौ मैचों में छह जीत और तीन हार से 18 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है।जमशेदपुर एफसी ने इस सीजन में घर में चार मैच जीते हैं, जो कि पिछले दो सीजन (2023-24 में 2 और 2022-23 में 1) में मिली कुल तीन

जीत से अधिक है। टीम ने इस सीजन में अब तक कुल 20 गोल खाए हैं। उसने आठ गोल बॉक्स के बाहर से खाए हैं और यह किसी भी एक सीजन में उसका आंकड़ा सबसे अधिक है।पंजाब एफसी ने आईएसएल में पहली बार लगातार क्लीन शीट रखते हुए अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं। उसने नौ मैचों में केवल नौ गोल खाए हैं और 16 स्कोर किए हैं।

पंजाब एफसी ने आईएसएल 2024-25 में सबसे कम शॉट ऑन टारगेट (30) का सामना किया है। उनके बॉक्स में केवल 16 टच प्रति मैच की लगे हैं।जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील का मानना है कि उन्हें मोहम्मडन एससी के खिलाफ जीत से पहले मिली लगातार तीन हारने के कारणों को दूर करना होगा।

उन्होंने कहा, हमारी स्थिति अभी ठीक नहीं है। पिछला मैच ठीक था, लेकिन उससे पहले के तीन मैचों में हमें हार मिली, वो अच्छी नहीं थीं। हम वापसी करना चाहते हैं और हम सुधार के तरीकों के बारे में सोचेंगे।पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस डिलम्पेरिस ने कहा कि उनकी टीम हर मैच में अपनी पूरी ताकत के साथ अपनी शैली में खेलने की अधिकतम कोशिश करती है।

विश्वास के दम पर बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धाज को टाई पर रोका

एजेंसी

पुणे। देरी से स्थानापन्न के तौर पर लाए गए एस, विश्वास (5) के सराहनीय प्रदर्शन के दम पर बंगाल वारियर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 108वें मैच में यूपी योद्धाज को 31-31 की बराबरी पर रोक दिया।विश्वास को उस समय मैट पर लाया गया जब बंगाल पीछे चल रहा था लेकिन एक के बाद एक पांच अंक लेकर विश्वास ने बंगाल को न सिर्फ हार से बचाया बल्कि मुकाबले से तीन अंक भी दिला दिए। इस टाई ने यूपी को चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है जबकि जीत के साथ वे तीसरे स्थान पर पहुंच सकते थे। बंगाल को इस टाई से एक स्थान का फायदा हुआ। मैच की शुरुआत में ही भवानी ने सुपर रेड के साथ यूपी को 4-1 से कर दिया। इसके बाद सिद्देश ने मनिंदर को टैकल कर बंगाल के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर सिद्देश ने भवानी को सुपर टैकल कर स्कोर 3-5 कर दिया। फिर प्रणय ने मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर दिया। फिर गगन ने सुपर रेड के साथ स्कोर 8-5 कर दिया।

प्रणय ने हालांकि एक और मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर 7-8 कर दिया। इसके बाद यूपी ने 1 के मुकाबले 2 अंक लिए और 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 10-8 कर दिया। ब्रेक के बाद दोनो टीमों को डू ओर डाई रेड पर अंक मिले। फिर मनिंदर ने आशू का शिकार कर स्कोर 10-11 कर दिया। अगली रेड पर हालांकि उनका शिकार हो गया। रणनीति के खेल में बंगाल की टीम यूपी को बड़ी लीड नही लेने दे रहा थी। यही कारण था कि सिलसिलेवार डू ओर डाई रेड्स के बावजूद 17वें मिनट तक स्कोर यूपी को 13-12 की लीड मिली हुई थी, जो 20 मिनट के बाद 15-13 हो गई। हाफटाइम के बाद बंगाल ने फासला 1 का कर दिया। चार के डिफेंस में मनिंदर का शिकार कर यूपी ने फिर 2 अंक की लीड ले ली।

बंगाल ने लगातार दो अंक लेकर स्कोर बराबर कर यूपी के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर नितेश ने भरत को लपक न सिर्फ हाई-5 पूरा किया बल्कि बंगाल को लीड भी दिला दी लेकिन हितेश ने मनिंदर को सुपर टैकल कर यूपी को फिर आगे कर दिया। साथ ही उन्होंने हाई-5 भी पूरा किया। इसके बाद प्रणय ने 17-19 के स्कोर पर मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर यूपी को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर 30 मिनट की समाप्ति तक 23-21 की लीड ले ली। इसके बाद दोनो टीमों को एक-एक मिला लेकिन तभी गगन ने चार अंक की सुपर डुपर रेड के साथ यूपी को 25-23 से आगे कर दिया।इस बीच प्रणय ने सुपर-10 पूरा किया। इसके बाद यूपी ने 1 के मुकाबले दो अंक लेकर फासला फिर से तीन का कर लिया। बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। भवानी ने डू ओर डाई रेड पर प्रणय का शिकार कर बंगाल को आलआउट की ओर धकेला। तीन मिनट बचे थे और यूपी 28-25 से आगे थे। फजल ने भवानी को डैश कर सुपर टैकल को दो अंक दिलाए लेकिन खुद भी आउट हो गए। स्कोर 27-29 था, जिसे विश्वास ने 28-29 कर दिया। इसके बाद यूपी को एक अंक मिला लेकिन विश्वास ने मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर 30-30 कर दिया। विश्वास ने इसके बाद बोनस ले स्कोर 31-30 कर दिया। भवानी के खिलाफ नीतेश ने गलती कर दी और स्कोर 31-31 हो गया। इसी के साथ दोनों टीमें सीजन का 11वां टाई खेलने को मजबूर हुईं। यह इस सीजन में दोनों टीमों तीसरा टाई है। बंगाल के लिए प्रणय राणे ने 10 जबकि नितेश ने 5 अंक जुटाए। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने एक बार फिर सुपर-10 लगाया।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2676

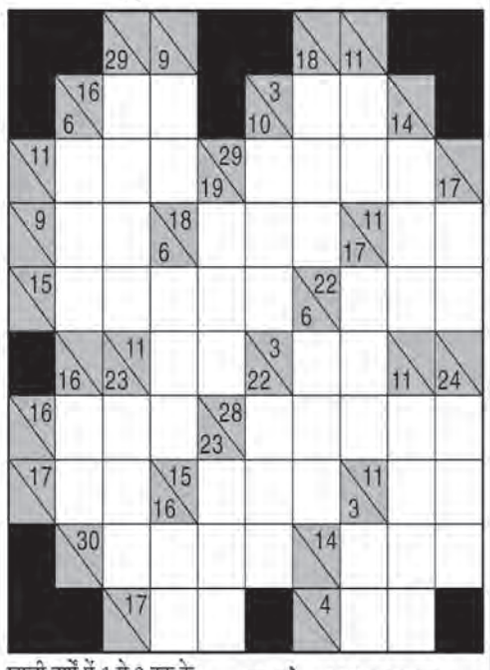

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (11, 7)

1, 2, 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2675 का हल

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला ?

नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान, दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

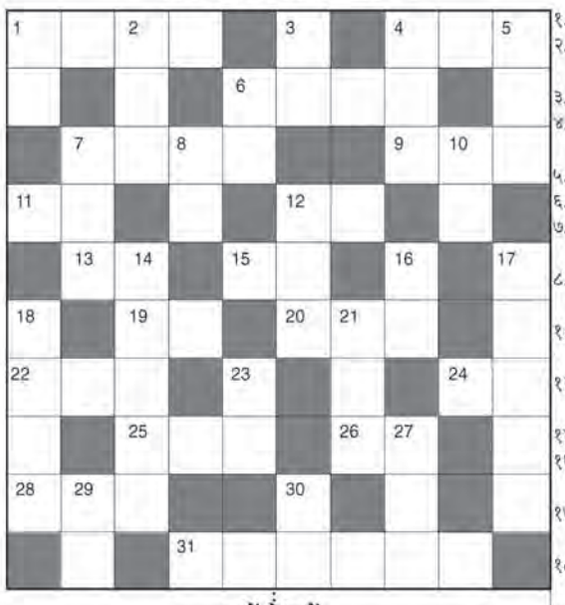

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2676

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2675

सूडोकु -2676

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2675 का हल

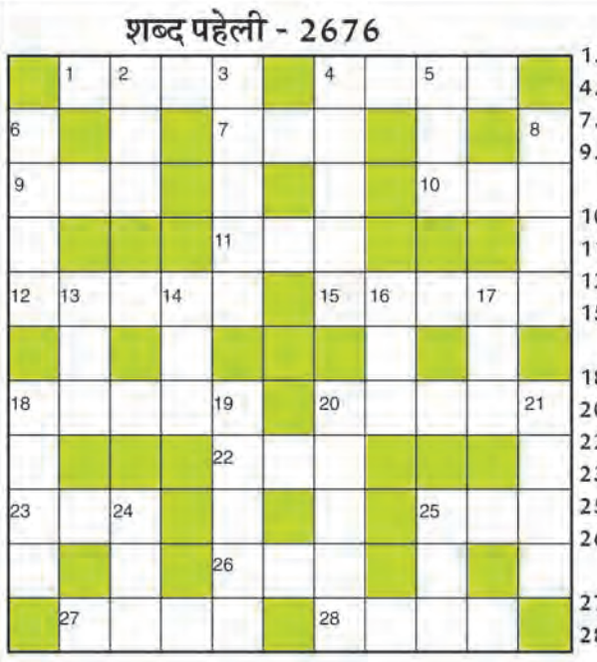

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 2676

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2675 का हल

मुख्य सचिव ने पीसीएस-प्री परीक्षा-2024 के आयोजन के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग-प्रयागराज द्वारा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा-2024 के आयोजन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि पीसीएस-प्री की परीक्षा दिनांक 22 दिसम्बर, 2024 को प्रस्तावित है। परीक्षा 75 जनपदों में कुल 1331 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षा को सकुशल नकलविहीन और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करा ली जायें। प्रश्न पत्र लीक न हो इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाये।

उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित कराया जाये कि परीक्षा में सही अभ्यर्थी बैठे और सही प्रश्न-पत्र परीक्षा केन्द्र पर समय से पहुंचे। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर अव्यवस्था नहीं होनी चाहिये। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य उपकरण क्रियाशील होने चाहिये। परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की क्षमता के अनरुप पर्याप्त फर्नीचर आदि आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने के साथ ही पर्याप्त दृश्यता के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। जनपद स्तर पर आयोग से समन्वय स्थापित करने के लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाये।

उन्होंने कहा कि जनपद एवं केन्द्र स्तर पर परीक्षा ड्यूटी में सम्बद्ध सभी सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्य समय से सुनिश्चित करा लिया जाये। पुलिस विभाग, एसटीएफ व एलआईयू द्वारा अफवाह फैलाने वाले व नकल माफियाओं पर नजर रखी जाये। इसके अलावा सोशल मीडिया आदि पर अफवाह फैलाने वालों पर सतत निगरानी रखी जाये। परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने अथवा अनुचित साधनों का प्रयोग की स्थिति में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम0देवराज, एडीजी एलओ एसटीएफ अमिताभ यश सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। इसके अलावा वीडियो कॉफ्रेन्सिंग के माध्यम से सचिव उ0प्र0 लोक सेवा आयोग के सचिव भी बैठक में उपस्थित थे।

प्ले हाउस स्कूल का 25 व वार्षिक उत्सव संपन्न हुआ

लखनऊः प्ले हाउस स्कूल हजरतगंज लखनऊ ने विद्यालय के लॉन में अपना वार्षिक समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में हमारे 2 से 4 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी दर्शकों एवं अभिभावकों का दिल जीत लिया। वंदना से शुरू होकर विभिन्न प्रकार की रंगारंग प्रस्तुतियां जैसे कश्मीर की लय, भांगड़ा बीट्स,

राइमिंग फॉर फन, द बेबीलोनियन रेनेसां, गोअनफिएस्टा, टुगेदरफॉरएवरः यूनिटी इन डायवर्सिटी, द मिस्टिक वर्ल्ड ऑफ अलादीन, द स्पिरिट ऑफ पैट्रियटिज्म एवं द कंटेम्पररी क्रिसमस स्पेक्टेक्यूलर आकर्षण का केन्द्र रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रेप स्टडी हॉल स्कूल, लखनऊ की पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती शशि मेहता रहीं, जिन्होंने अपने भाषण में कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन भी सिखाना चाहिए, क्योंकि अनुशासन से ही देश तेजी से प्रगति करता है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया।

डीएम ने किया रैन बसेरा का औचक निरीक्षण, जरूरतमंद लोगों को वितरित किए कंबल

बहराइच। बढ़ती सर्दी को देखते हुए जरूरतमंदों को सुरक्षित रखने के लिए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने शहर में विभिन्न स्थानों पर संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों को कंबल वितरित किया। डीएम ने जिला अस्पताल में संचालित रैन बसेरे के निरीक्षण कर वहां मौजूद मरीजों के परिजनों से वार्ता की और उन्हें कंबल वितरित किया।

इसके बाद जिलाधिकारी रेलवे स्टेशन के पास संचालित रैन बसेरे का निरीक्षण करने पहुंची। यहां व्यवस्था जांचने के बाद जिलाधिकारी शहर के बाहर मरीमाता मंदिर पहुंची। सभी जगह कंबल वितरित करने के बाद लोगों का हाल जाना। रोडवेज परिसर में संचालित रैन बसेरे का भी जायजा लिया। डीएम ने सम्बन्धित को और बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठंड से कोई भी यात्री परेशान न हो। इस दौरान नायब तहसीलदार सदर अनिरुद्ध यादव, ईओ प्रमिता सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

जनपद में धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू

बहराइच। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का पालन कराते हुए क्रिसमस डे/आंग्ल नव वर्ष, मकर संक्राति पोंगल, मौनी अमावस्या, बसन्त पंचमी आदि आगामी त्यौहारों/कार्यक्रमों व उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2024 को सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न के मद्देनजर जनपद बहराइच के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्ट्रेट गौरव रंजन श्रीवास्तव द्वारा भा.ना.सु.संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री रंजन द्वारा जारी आदेश के समस्त 27 प्रस्तर 12 दिसम्बर 2024 से 06 फरवरी 2025 तक जनपद बहराइच के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी रहेगा। इन आदेशों का अथवा इनके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

भारतीय दूतावास ने कंबोडिया में साइबर स्कैम में फंसे 1167 भारतीयों को बचाया

नई दिल्ली। कंबोडिया स्थित भारतीय दूतावास ने पिछले तीन वर्षों के दौरान साइबर स्कैम में फंसे 1167 भारतीयों को बचाया है। विदेश मंत्रालय अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से फर्जी नौकरी रैकेट के बारे में एडवाइजरी जारी करता रहता है। यह बात विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने राज्यसभा में सीपीआई सांसद पी. संदोष कुमार द्वारा कंबोडिया में भारतीयों को फंसाने वाले साइबर घोटाले के बढ़ते मामलों के बारे में प्रश्न पूछे जाने पर कही।

विदेश मंत्री ने जवाब देते हुए कहा केंद्र सरकार के संज्ञान में यह बात आई है कि फर्जी भर्ती नौकरी की पेशकश में शामिल संदिग्ध फर्मों ने ज्यादातर सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से भारतीय नागरिकों को कंबोडिया सहित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में फंसाया है और उन्हें इन देशों में संचालित घोटाला केंद्रों से साइबर अपराध और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मजबूर किया है।

डॉ. जयशंकर ने अपने जवाब में इस तथ्य को स्वीकार किया कि साइबर घोटाले के मामलों में वृद्धि हुई है। इन मामलों में भारतीय नागरिकों को असली नौकरी का वादा करके भारत से बाहर ले जाया गया, लेकिन फिर उन्हें साइबर अपराध करने के लिए मजबूर किया गया।

दो छात्रों ने शिक्षक पर किया चाकू से हमला, घायल शिक्षक मेडिकल कॉलेज रेफर

बहराइच । कक्षा ग्यारह में मोबाइल फोन देख रहे दो छात्रों को शिक्षक ने रोका और उनसे मोबाइल छीन लिया तो नाराज छात्रों ने योजनाबद्ध तरीके से कॉलेज में ही चाकू से हमला कर शिक्षक को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल शिक्षक को क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर इन्हें बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया मिहींपुरवा नगर क्षेत्र में संचालित नवयुग इंटर कॉलेज में कक्षा ग्यारह के दो छात्र कक्षा में मोबाइल चला रहे थे । कक्षा में शिक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा ने देखा तो छात्रों को क्लास में मोबाइल चलाने से मना किया और मोबाइल छीन लिया। इससे दोनों छात्र नाराज हो गए और गुरुवार को शिक्षक के क्लास में पहुंचते ही इन छात्रों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे शिक्षक श्री वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। अन्य छात्रों और शिक्षकों की मदद से इन्हें सीएचसी पहुंचाया गया। यहां हालत गंभीर होने पर श्रीवर्मा को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक दोनों छात्र नाबालिग हैं। घायल शिक्षक के परिवारीजनों ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एसआर ग्लोबल स्कूल ने जीता क्रिकेट का खिताब

, सदस्य विधान परिषद एवं एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन पवन सिंह चौहान एवं वाइस चेयरमैन पियूष सिंह चौहान ने सभी खिलाड़ियों को किया सम्मानित

लखनऊ। एसआर ग्लोबल स्कूल ने 20वी कर्नल एस न मिश्र मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट में फाइनल मुकाबले में कर्नल एस न मिश्र स्कूल को 93 रनों के भारी अंतर से हरा दिया। एसआर ग्लोबल स्कूल ने सभी बड़ी टीमों को हराकर इस चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।एसआर ग्लोबल स्कूल ने इसी प्रतियोगिता के क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में डैब्बल स्कूल को 170 रनों से हरा दिया था जो कि स्कूल क्रिकेट में एक रिकॉर्ड है। एसआर ग्लोबल स्कूल ने 15 वीं कुंवर मुनींद्र सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट में भी शानदार प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता की उपविजेता रही। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज प्रणव सिंह चौहान रहे, सर्वेश्रेष्ठ गेंदबाज अंश सिंह, वहीं कुमार अभिनव सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर खिलाड़ी रहे। एसआर ग्लोबल के शानदार प्रदर्शन पर सदस्य विधान परिषद एवं एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन पवन सिंह चौहान ने सभी खिलाड़ियों को उपहार में व्हाइट किट देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में निरंतर अभ्यास की बहुत अहम भूमिका होती है और सभी खिलाड़ी इसी लगन के साथ आगे भी कड़ी मेहनत करते रहें, वहीं वाइस चेयरमैन पियूष सिंह चौहान ने सभी खिलाड़ियों को पलाशियो मॉल में लगी सिनेमा पुष्पा 2 के टिकट उपहार में उपलब्ध कराए और खिलाड़ियों को अपने फिटनेस लेवल पर ध्यान देने की सलाह दी।

हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत फैलाकर सत्ता में बने रहना चाहती है भाजपा- पांडेय

बहराइच। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने कहा कि वर्ष 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने नियम बनाया था कि राम जन्म भूमि विवाद के बाद अब धार्मिक स्थल को लेकर कोई विवाद नहीं किया जा सकता है, उसके बाद भी भाजपा नियम को बदल रही है यदि भाजपा के नेता हिंदू मुस्लिम नहीं करेगी तो उनकी सत्ता नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत फैला कर भाजपा सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले बहराइच और अब संभल जाने से उन्हें रोका गया। लेकिन मामला शांत होने पर वह महाराजगंज के लोगों से मिलने के लिए जा रहे हैं।श्री पाण्डेय गुरुवार को बहराइच पहुंचे और लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बारे में वह कुछ नहीं कहना चाहते हैं। उन्होंने अलग पार्टी बना रखी है। प्रदेश में हो रहे बवाल के मामले में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सम्भल में सरकार ने बवाल करवाया।नेता प्रतिपक्ष श्री पांडेय ने कहा कि 1991 तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने धार्मिक स्थल का विवाद न उठाने का नियम बना दिया था। उसके बावजूद फिर किसी धार्मिक स्थल को क्यों बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिन्दू मुस्लिम करके सत्ता हासिल करना चाहती है। वह विकास पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि कमियां छिपाने के लिए उन्हें बहराइच के महराजगंज जाने से रोका गया था। इसी तरह सम्भल जाने से रोक दिया गया।उन्होंने कहा कि वह प्रदेश में दौरा कर मौके की स्थिति देख रहे हैं।इसके बाद विधान सभा सत्र में मुद्दा उठाएंगे।इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री यासर शाह, विधायक आनंद कुमार यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

फ्रूड जंक्शन खुलने से खुशी लहर

जहानागंज

आजमगढ़ क्षेत्र चक्रपानपुर में फूड जंक्शन फेमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए फीता काट कर शुभारंभ किया उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया सिंह ने कहा कि फैमिली रेस्टोरेंट से आवासीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी

आयोजक विशाल सिंह ने आए हुए सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारे रेस्टोरेंट में हर सुविधा उपलब्ध है आप सभी लोग एक बार मौका दे

चिलवरिया चीनी मिल के पास अनियंत्रित ट्रक गुमटी तोडकर होटल में घुसा

गन्ना लेकर आए एक किसान की मौत, चार अन्य घायल, घायलों का मेडिकल कॉलेज में चल रहा उपचार

बहराइच। गोण्डा से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डीसीएम चिलवरिया चीनी मिल के पास सड़क के किनारे रखी गुमटी को तोड़ती हुई एक होटल में भिडी गई। इस हादसे में एक किसान की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।एक डीसीएम धान का ब्रान बहराइच में उतार कर वापस जा रही थी । रास्ते में चिलवरिया चीनी मिल के पास खरगूपुर थाना क्षेत्र के इच्छापुर निवासी डीसीएम चालक शिव कुमार उर्फ अरविंद के नियंत्रण से गाडी बाहर हो गई । डीसीएम सड़क के किनारे एक पान की दुकान को तोड़ते हुए होटल में जा भिडी।इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली से गन्ना लेकर चीनी मिल आए हुजूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ागांव निवासी आरिफ पुत्र मुबारक खा की मौत हो गई। डीसीएम चालक, पान गुमटी संचालक कोतवाली देहात के सुहापारा गांव निवासी रामजी समेत चार लोग घायल हो गए।घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। होटल मालिक दरगाह थाना क्षेत्र के माफी गांव निवासी गोमती प्रसाद वर्मा ने बताया कि दुकान का सामान तहस नहस हो गया जिससे भारी नुकसान हुआ है। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक परमानंद तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

निर्विरोध निर्वाचित सभासद को मिला जीत का प्रमाण पत्र

बहराइच। कानूननगोपुरा उत्तरी से भाजपा सभासद अखिलेन्द्र श्रीवास्तव गप्पू के निधन के पश्चात रिक्त हुई सीट पर पुनः उपचुनाव कराया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने स्वर्गीय गप्पू की धर्मपत्नी उमा श्रीवास्तव को अपना प्रत्याशी घोषित किया। कई अन्य निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अपना नामांकन कराया। इस उपचुनाव में नामांकन के पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय ने अपनी रणनीति एवं नेतृत्व के बल पर पार्टी प्रत्याशी उमा श्रीवास्तव को कानूनगोपुरा उत्तरी का निर्विरोध सभासद निर्वाचित करवाया। इससे पहले गन्ना समिति के चुनाव में भी सभी गन्ना समितियों में उनके नेतृत्व और रणनीति के बल पर पहली बार पार्टी के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। इस तरह से अगर देखा जाए तो एक के बाद एक नई उपलब्धि जिला अध्यक्ष श्री पाण्डेय के खाते में दर्ज होती हो रही है।नामांकन वापसी के पश्चात तहसील कार्यालय में निर्विरोध विजय प्रमाण पत्र प्राप्ति के समय जिलाध्यक्ष के साथ पूर्व मंत्री सदर विधायक अनुपमा जायसवाल भी उपस्थित रही उमा श्रीवास्तव के निर्विरोध सभासद निर्वाचित होने पर सभी पार्टी कार्यकताओं में हर्ष एवं उल्लास देखने को मिला। सभी ने एक सुर में कहा कि उमा श्रीवास्तव के निर्विरोध सभासद चुने जाने से सभी को हर्ष की अनुभूति हो रही है और यह ऐतिहासिक कार्य जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय के नेतृत्व एवं कर्मठता के बल पर ही संभव हो पाया है।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बहराइच के अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम करन टेकड़ीवाल,जिला महामंत्री राघवेंद्र सिंह, जितेंद्र त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, सुरेश गुप्ता, जिला मंत्री हेमा निगम, सुनील श्रीवास्तव,रंजीता श्रीवास्तव, अखिलेश यादव, संजय जायसवाल, देवेंद्र मिश्रा, नगर अध्यक्ष अमित शर्मा, अजय सिंह, सभासद हर्षित श्रीवास्तव, पुष्पनाथ अनूप श्रीवास्तव,पुनीत, मनोज वाल्मीकि आशीष सिंह पंकज केवट राजेश वाल्मीक प्रेम वाल्मीक संदीप वाल्मीक आशीष त्रिवेदी रामकृपाल मिश्र गणेश वाल्मीक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

हरियाणा में भी खत्म होगा तारीख पर तारीख का सिलसिला, जल्द लागू होंगे नए कानून

रोहतक: विकास की ओर सरपट दौड़ते इस देश में हमेशा ही हमारी आपराधिक व्यवस्था सोच के कटघरे में शामिल रही है। जहाँ हमारे देश में तारीख पर तारीख मिलना वर्षों से चला आ रही है। दूसरी ओर अनेकों नागरिक ऐसे भी रहे हैं जिनका भरोसा हमारी न्याय प्रणाली से उठने लगा था, जिसकी वजह है 160 साल पहले अंग्रेजों द्वारा तैयार किए गए कानून। इन कानूनों को अंग्रेजों ने खुद को केंद्र में रखकर बनाया था ताकि, उनका राज भारत देश पर कायम रह सके।

अल्पाइन ग्रुप द्वारा मार्केट में टोकरी चाय लॉन्च की गई

लखनऊ में अल्पाइन ग्रुप द्वारा मार्केट में नया ब्रांड टोकरी ब्रांड के नाम से लांच की जा रही है यह चाय बागानों से सीधे बाजार तक की उपलब्धता को सुनिश्चित करती है कंपलीटली ऑर्गेनिक प्रोडक्ट है जैसे आजकल बाजार में तमाम पेस्टिसाइड्स यूरिया और हानिकारक चीजों से जो मिश्रित चाय आ रही है दुल मिट्टी वाली चाय आ रही है इसी को लेकर हमने एक नया ब्रांड

मार्केट में उतारा है हमारा ब्रांड एकदम प्योर वेरीफाइड वर्जिनिटी बागान से सीधी बाजार तक आ रही है

गोपाल राय ने कहा कि हम दार्जिलिंग से हरी पत्तियां तुड़वा करके एक बेहतर स्वाद वाली चाय जनता के बीज एक अच्छा स्थान बनाने को शुरू किया है गोपाल राय ने कहा कि पूरे ग्रुप को पूरे मोटीवेटर में उम्मीद है कि चाय की दुनिया में नई क्रांति ले आएगी। अभी पूरे कंट्री लेवल पर डीलर्स का अपॉइंटमेंट कर रहे हैं इसके दूसरे चरण में हम टी कैफे के नाम से टोकरी हमारा प्रोग्राम है ।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी